28 जुलाई 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



सीएम नीतीश का शासन सामाजिक न्याय और विकास का बेहतरीन मॉडलः अंजुम आरा

2

@हरिद्वार: करंट की अफवाह के बाद मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़, आठ की मौत

एजेंसी/हरिद्वार

- घटना में जख्मी कुल 35 लोगों को जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती
- सूचना पर हरिद्वार पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार को भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हुआ है। भगदड़ में आठ लोगों की मौत की सूचना है। वहीं, इसके कारण कई लोगों के बुरी तरह से घायल हुए। हालांकि, पूरे दिन राहत एवं बचाव अभियान चलता रहा। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें घायलों को तुरंत अस्पतालों में पहुंचाने में लग गई। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान किया। साथ ही, हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। वहीं, घटना के बाद दोपहर दो बजे सीएम पुष्कर सिंह धामी हरिद्वार पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल जाना।

बताया जाता है कि रविवार की सुबह मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी, जिससे



श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। अफरा-तफरी में लोग एक-दूसरे पर गिर गए। चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन हादसे के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

35 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया : एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि हादसे में घायल हुए कुल



35 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि अन्य लोग घायल हैं। जिनमें से गंभीर अवस्था वाले मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। भगदड़ की घटना में घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार देने और उन्हें अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 108 सेवा की सात एंबुलेंस और खुशियों की सवारी की दो एंबुलेंस मौके पर तैनात की गईं। इन एंबुलेंस सेवाओं के माध्यम से कई घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जरूरी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की स्थिति गंभीर थी उन्हें एम्स में रेफर किया गया। वहीं, गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भारी भीड़ जमा होने के बाद मची भगदड़ मच गई। भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई। दूसरी ओर, एम्स पीआरओ संदीप कुमार ने बताया कि एम्स में कुल 15 घायल लाए गए थे, जिसमें से पांच को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। वहीं, 10 लोग अब भी इलाजरत हैं। इनमें दो साल की एक बच्ची, 26 वर्षीय युवती व 56 वर्षीय महिला की स्थिति गंभीर बनी

सीएम ने जताया दु:ख

हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दु:ख जताया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इस संबंध में निरंतर स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। माता रानी से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले चरण के अंतिम आंकड़े जारी

मतदाता सूची से 65 लाख नाम हटे

- वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के दौरान 22 लाख वोटर मृत पाए गए, 36 लाख मतदाता विस्थापित



केटी न्यूज/पटना

चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले चरण के अंतिम आंकड़े जारी कर दिए हैं। इस चरण के अनुसार, अब राज्य में कुल 7.24 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। पहले यह संख्या 7.89 करोड़ थी, लेकिन सत्यापन के बाद 65 लाख नामों को सूची से हटा दिया गया है। इन हटाए गए नामों में मृतक, विस्थापित, विदेश में रहने वाले या अन्यत्र स्थायी रूप से प्रवास कर चुके मतदाता शामिल हैं। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के दौरान 22 लाख वोटर मृत पाए गए हैं वहीं 36 लाख मतदाता विस्थापित हैं जबकि सात लाख वोटर अब दूसरी जगह के स्थाई निवासी हो गए हैं।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान 7.24 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र एकत्र किए गए। एसआईआर अभियान की शुरूआत 24 जून 2025 को हुई थी, जिसका उद्देश्य मृत, स्थानांतरित, दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं के नाम हटाना और पात्र नए मतदाताओं को सूची में जोड़ना था। इस कार्य में बूथ लेवल ऑफिसर और बूथ लेवल एजेंट की बड़ी भूमिका रही। बीएलओ और बीएलए ने घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी जुटाई। 25 जुलाई 2025 तक इस अभियान का पहला चरण लगभग 99.8 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंच के साथ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

छूटे हुए वोटरों को ड्राफ्ट सूची में शामिल होने का मिलेगा मौका : चुनाव आयोग ने इस सफलता का श्रेय राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सभी 38 जिलों के डीएम, 243 ईआरओ, 2976 एईआरओ, 77895 बीएलओ और 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के 1.60 लाख बीएलए को दिया है। बीएलए की संख्या में इस दौरान 16% की वृद्धि देखी गई। अब अगले चरण के तहत, एक अगस्त से एक सितंबर 2025 तक ऐसे पात्र मतदाता जिनका नाम छूट गया हो, उन्हें ड्राफ्ट सूची में शामिल होने का मौका मिलेगा। वहीं जिन मतदाताओं के नाम कई स्थानों पर दर्ज पाए गए हैं, उनका नाम केवल एक जगह पर रखा जाएगा। आयोग ने यह भी कहा कि बिहार में सफलतापूर्वक लागू किए गए इस एसआईआर अभियान को अब पूरे देश में लागू करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

बिहार एसआईआर पर बोले विपक्षी के नेता- नागरिकता एक महत्वपूर्ण मुद्दा

केटी न्यूज/पटना



बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नागरिकता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, आपने इसे राजनीतिक रंग दे दिया और इसे छिपाने की कोशिश की, जबकि असली मुद्दा नागरिकता का ही है। बिहार में चुनाव बहिष्कार को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया ने अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन सभी विकल्प खुले हैं। किसी राजनीतिक दल की नहीं ली गई रायः मनोज झा

वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा ने कहा, जब मुख्य चुनाव आयुक्त (ज्ञानेश कुमार) ने कार्यभार संभाला था, तब उन्होंने कहा था कि वह कोई भी फैसला राजनीतिक दलों से सलाह के बिना नहीं लेंगे। मुझे लगता है कि पिछले 22 वर्षों में इससे बड़ा कोई फैसला नहीं हुआ (बिहार एसआईआर की बात करते हुए), लेकिन किसी भी राजनीतिक दल से कोई राय नहीं ली गई।

एसआईआर पर इसलिए हो रहा विवाद: 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर का निर्देश दिया था। यह 25 जून से 26 जुलाई 2025 के बीच होना था। चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और दो जगहों पर पंजीकृत मतदाताओं को हटाने के उद्देश्य से पुनरीक्षण किया जा रहा है। वहीं, विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग इस विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए पिछले दरवाजे से लोगों की नागरिकता की जांच कर रहा है। साथ ही विपक्ष का आरोप है कि इसकी आड़ में बड़े पैमाने पर लोगों से मतदान का अधिकार छीना जा सकता है।

हटाए गए लोगों की नागरिकता समाप्त नहीं हुई है: हालांकि, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाए, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गई है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कानून और संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सके, ताकि लोगों को मताधिकार मिल सके।

बोले प्रशांत किशोर... बिहार की कानून व्यवस्था ठीक नहीं है तो एनडीए का साथ छोड़ दें चिराग

केटी न्यूज/पटना



जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार बदलाव यात्रा के क्रम में आज लखीसराय में बिहार बदलाव जनसभा करने पहुंचे। सूर्यगढ़ा में जनसभा में बीके ने लोजपा नेता चिराग पासवान के बिहार में बढ़ते आपराधिक घटनाओं पर दिए बयान पर तंज किया।

प्रशांत किशोर ने कहा कि जो भी बिहार की चिंता करता है, वो बढ़ते अपराध-भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं कर सकता है। यह जनता का दबाव है कि एनडीए के सहयोगी दलों को भी आवाज उठाना पड़ रहा है। लेकिन चिराग को अगर लगता है कि बिहार की कानून व्यवस्था ठीक नहीं है तो उन्हें एनडीए सरकार से अलग हो जाना चाहिए। बिहार की जनता की आवाज बनना चाहिए। बिहार की जनता की लड़ाई लड़नी चाहिए। यह सही नहीं है कि एनडीए में रहें भी और उसकी शिकायत भी करें।

वहीं पूर्व राजद नेता तेज प्रताप यादव के पीला टोपी पहनकर घूमने को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जो भी पीला टोपी पहन ले, वह जन सुराज में ही आ जाए, यह जरूरी नहीं है। हालांकि उन्होंने आगे चुटकी लेते हुए कहा कि यह बात तेज प्रताप से पूछना चाहिए कि वो कब हरा पहनेंगे, कब पीला पहनेंगे। जन सुराज का रंग पीला है। अब जिसको भी पीला रंग में रंगना है, रंग जाए। इससे पहले सूर्यगढ़ा बाजार के पब्लिक हाई स्कूल मैदान में हुई जनसभा में प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बार अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट कीजिए। इस साल बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ होगी। छठ के बाद सूर्यगढ़ा के या लखीसराय के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। लखीसराय के ही नहीं, बिहार भर के ऐसे 50 लाख युवाओं को वापस बुलाकर उन्हें यहीं 10-12 हजार रुपये का रोजगार दे दिया जाएगा।

सरकार बनी तो शराबबंदी की समीक्षा की जाएगी: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो शराबबंदी कानून की समीक्षा की जा सकती है। तेजस्वी ने कहा कि इस विषय पर बुद्धिजीवियों, अधिकारियों और समाज के विभिन्न वर्गों से चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर किसी नीति या कानून को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो उस पर बातचीत होनी चाहिए। बातचीत के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने नीतीश सरकार पर जबरदस्त हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार का एक इंजन भ्रष्टाचार में और दूसरा इंजन अपराध में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज अपराधी सरकार चला रहे हैं। सत्ता के लोभ में विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी अपराधी हो गए हैं। राज्य में महिला अभ्यर्थी के साथ एंबुलेंस में गैंगरेप हो रहा है, पूरे राज्य में दिनदहाड़े गोलीबारी हो रही है और एक हफ्ते में 100 से ज्यादा हत्याएं हो चुकी हैं। लेकिन इन मुद्दों पर सरकार ने चुप्पी साध रखी हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कैग रिपोर्ट में 71,000 करोड़ रुपये का घोटाला उजागर हुआ है। सरकार के पास कोई हिसाब नहीं है कि यह पैसा कहां खर्च हुआ। यह पूरी तरह से भ्रष्टाचारियों और अपराधियों की सरकार बन चुकी है। जब उनसे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव द्वारा नई पार्टी बनाने के बारे में पूछा गया तो तेजस्वी ने हंसते हुए जवाब दिया कि कितनी पार्टियां बनती रहती हैं।

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को मिली जान से मारने की धमकी

केटी न्यूज/पटना

राज्य के बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकी लगातार दी जा रही है। अबडिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी एक अज्ञात मोबाइल नंबर से भेजे गए वॉट्सऐप मैसेज के जरिए उनके एक कार्यकर्ता को मिली। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

मैसेज में लिखा गया कि 'हैलो सर, 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को गोली मार दूंगा। सच बोल रहा हूं'। इस धमकी भरे संदेश के बाद कार्यकर्ता ने तुरंत स्थानीय पुलिस थाने को इसकी जानकारी दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उस मोबाइल नंबर को ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि, जिसको जो करना है कर ले, बिहार की जनता जानती है कि हमलोग बिहार के विकास के काम में लगे हुए हैं और आगे भी लगे रहेंगे। वहीं इस मामले पर पटना की सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा ने कहा कि सूचना मिली है लेकिन अभी तक आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केंद्र ने ओबीसी, एससी-एसटी को नहीं दी नौकरियां: कांग्रेस

एजेंसी/नई दिल्ली



केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ओबीसी, एससी-एसटी वर्ग के लिए रिक्त आरक्षित पदों पर नियुक्ति को लेकर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा। कांग्रेस ने कहा कि सरकार ने इन आरक्षित वर्गों को नौकरियां नहीं दीं। साथ ही इनके खिलाफ उपयुक्त नहीं पाए जाने वाले प्रावधान का हथियार बनाकर इस्तेमाल किया गया। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने पिछले सप्ताह संसद में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार के नियुक्ति को लेकर दिए गए लिखित उत्तर का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में मोदी सरकार ने केंद्रीय विवि में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित संकाय पदों पर रिक्तियों के चौंका देने वाले स्तर का खुलासा किया है। इसमें कहा गया कि प्रोफेसर स्तर पर ओबीसी के लिए 80 फीसदी पद, एसटी के लिए 83 फीसदी पद और एससी के लिए 64 फीसदी पद रिक्त हैं। सामान्य श्रेणी में रिक्तियां 39 फीसदी हैं। एसोसिएट प्रोफेसर स्तर पर ओबीसी के लिए 69 फीसदी पद, एसटी के लिए 65 फीसदी पद और एससी के लिए 51 फीसदी पद रिक्त हैं। सामान्य श्रेणी में रिक्तियां 16 फीसदी हैं।

सामान्य श्रेणी में रिक्तियां केवल आठ फीसदी हैं: जयराम रमेश ने कहा कि सहायक प्रोफेसर स्तर पर ओबीसी के लिए 23 फीसदी पद, एसटी के लिए 15 फीसदी पद व एससी के लिए 14 फीसदी पद रिक्त हैं। सामान्य श्रेणी में रिक्तियां केवल आठ फीसदी हैं। रमेश ने कहा कि सरकार ने दावा किया है कि वह संकाय पदों के लिए भर्ती के दौरान उपयुक्त नहीं पाए जाने की व्यापकता पर केंद्रीय रूप से डाटा एकत्र नहीं करती है, लेकिन इस डाटा से सब स्पष्ट है।



चोल वंश के सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर पहुंचे पीएम मोदी

ऊं नमः शिवाय सुनता हूं तो खड़े हो जाते हैं रोंगटे: पीएम

एजेंसी/नई दिल्ली



गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने सम्राट के सम्मान में स्मारक सिक्का भी जारी किया।

कार्यक्रम में भजन प्रस्तुति की गई, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मोदी भी भावविभोर हो गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में 'आदि तिरुवथिराई उत्सव' में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि चोल राजाओं ने अपने राजनयिक और व्यापारिक संबंधों का विस्तार श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक किया था। ये भी एक संयोग है कि मैं शनिवार को ही मालदीव से लौटा और तमिलनाडु में इस कार्यक्रम का हिस्सा बना। चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं काशी का सांसद हूं और जब मैं 'ऊं नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

पीएम ने लगाया 'हर-हर महादेव' का जयकारा : प्रधानमंत्री ने कहा कि शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है। उन्होने कहा कि बृहदेश्वर शिव मंदिर का निर्माण शुरू होने के 1000 साल के ऐतिहासिक अवसर पर सावन के पवित्र महीने में मुझे भगवान बृहदेश्वर शिव के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मिला। इस दौरान पीएम मोदी ने 'हर-हर महादेव' का जयकारा भी लगाया।

'सेंगोल' का किया जिक्र : सांस्कृतिक मंत्रालय की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विभाग ने यहां अद्भुत प्रदर्शनी लगाई है। यह ज्ञानवर्धक और प्रेरक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सेंगोल' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब देश की नई संसद का लोकार्पण हुआ, तो हमारे शिव आदीनम के संतों ने उस ऐतिहासिक आयोजन का आध्यात्मिक नेतृत्व किया था। तमिल संस्कृति से जुड़े 'सेंगोल' को संसद में स्थापित किया गया।

बारिश नहीं होने से किसानों की बढ़ी परेशानी है, धान की रोपनी हो रही प्रभावित

केटी न्यूज/केसठ



प्रखंड क्षेत्र में इस वर्ष मानसून की बेरुखी से किसान समुदाय बेहद परेशान है। जुलाई माह समाप्ति की ओर है, लेकिन अब तक पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण धान की रोपनी का कार्य ठप पड़ा है। परंपरागत रूप से धान की खेती पर निर्भर रहने वाले किसान अब आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। खेतों में नमी तथा जल जमाव के अभाव में धान की रोपनी करना मुश्किल हो गया है। कई पंचायतों के किसानों ने बताया कि पहले जून के अंतिम सप्ताह तक अच्छी बारिश हो जाती थी, जिससे जुलाई के पहले सप्ताह से ही रोपनी शुरू हो जाती थी। लेकिन इस वर्ष स्थिति बिलकुल विपरीत है। खेतों में पानी की भारी कमी है। नहरों और अन्य जल स्रोतों में भी पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण सिंचाई भी संभव नहीं हो पा रही है। इससे सैकड़ो एकड़ भूमि पर धान की खेती अधर में लटक गई है। किसान विजय यादव, लालबाबू चौधरी, रीता देवी, संतोष आर्या, दिनेश महतो आदि बताते हैं कि उन्होंने बीज, खाद, मजदूरी आदि पर पहले से ही मोटी रकम खर्च कर चुके है, लेकिन अब पानी के अभाव में न तो नर्सरी की पौध बच पा रही है और न ही मुख्य खेत में रोपाई हो पा रही है। इससे फसल की उत्पादन क्षमता घटने की आशंका है। किसान चिंता में हैं कि अगर आने वाले दिनों में भी बारिश नहीं हुई तो इस वर्ष की खेती पूरी तरह से बर्बाद हो सकती है। किसानों ने कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन से ट्यूबवेल, पंप सेट, डीजल अनुदान जैसी सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की है, जिससे फसल बचाई जा सके। यदि समय रहते उपाय नहीं किए गए तो केसठ समेत पूरे इलाके में धान का उत्पादन प्रभावित हो सकता हैं।

गिरधर बरांव में चोरों की नजर कृषि ट्रांसफार्मर पर

नावानगर । स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के गिरधर बरांव गांव में इन दिनों चोरों की नजर कृषि कार्य के लिए लगे ट्रांसफार्मरों के तेल पर टिकी हुई है। बीते दो सप्ताह के अंदर पांच ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे गांव के किसान परेशान हैं। ट्रांसफार्मर से तेल निकाल लेने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है, जिससे सिंचाई कार्य पूरी तरह ठप हो जाता है। धान की रोपनी के इस महत्वपूर्ण समय में बिजली संकट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।गांव के किसान लाल जी सिंह, हरेंद्र यादव, बिहारी लाल यादव, अरविंद कुमार, सरल यादव, अरुण सिंह पूर्व मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना यादव, जिला पार्षद सदस्य राजीव कुमार उर्फ राजू यादव ने बताया कि पहले वे सोचते थे कि बिजली की आपूर्ति में तकनीकी समस्या होगी, लेकिन बाद में जब लगातार ट्रांसफार्मर खराब होने लगे तो जांच में सामने आया कि ट्रांसफार्मर का तेल ही चोरी हो रहा है। कुछ स्थानों पर ट्रांसफार्मर के आसपास तेल बिखरा हुआ पाया गया।किसानों ने आशंका जताई है कि यह कार्य किसी सुनियोजित गिरोह का हो सकता है, जो रात्रि में सुनसान इलाकों में ट्रांसफार्मरों से तेल निकाल लेते हैं और उसे बेच देते हैं। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि इस दिशा में तत्काल कार्रवाई की जाए और ऐसे ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए जाएं।इस संबंध में जेई अवनीश कुमार का कहना है कि शिकायत मिली है और जल्द ही तकनीकी निगरानी के उपायों से समस्या पर नियंत्रण पाया जाएगा।

एक नजर

जनसंपर्क अभियान में रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने मांगा समर्थन, बोले... एक मौका दें



डुमरांव। डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में आगामी विस चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो चुकी है। रविवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सक्रिय नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने डुमरांव के कृष्णाब्रह्म इलाके में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से संवाद करते हुए अपने भावी चुनावी मंसूबों को साझा किया और जनता से समर्थन मांगा।रवि उज्ज्वल ने कहा कि मैं 2025 के विधानसभा चुनाव में बतौर उम्मीदवार आपके बीच आने वाला हूं। मैं जनता से सिर्फ एक मौका चाहता हूं। मैंने आपके साथ लिखित एग्रीमेंट किया है, जो वादे करूंगा, उन्हें पूरा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति को विकास का माध्यम बनाना है, न कि नफरत का। कुछ लोग समाज को बांटने और नफरत की राजनीति करने में लगे हैं, हमें ऐसे तत्वों से सावधान रहना होगा और एकजुट होकर विकास की राजनीति को आगे बढ़ाना होगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं की सक्रिय उपस्थिति भी देखने को मिली। इस अवसर पर जदयू डुमरांव के पूर्व नगर अध्यक्ष वीरेन्द्र कुशवाहा, वरिष्ठ नेता वशिष्ठ सिंह कुशवाहा, गुरुदेव सिंह, रोहित माली, अशोक साह, नरेंद्र राम, सत्यनारायण ठाकुर, मिथिलेश कुशवाहा, जगजीवन, राम दयाल सिंह, राजन सिंह समेत कई अन्य समर्थक और स्थानीय लोग शामिल रहे। रवि उज्ज्वल का यह अभियान न केवल आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का संकेत देता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि वे जमीनी स्तर पर जनता से जुड़ने और जनविश्वास हासिल करने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। वे अपने संदेश में स्पष्ट रूप से यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि उनकी राजनीति सेवा, विकास और जवाबदेही पर आधारित होगी। रवि ने कहा कि अब वह समय नहीं रहा, जब नेता खोखले वायदे कर जनता को ठगे, बल्कि अब जनता से किये वायदों को पूरा करना होगा।

कांग्रेस की माई बहन मान योजना तहत बक्सर में आयोजित हुआ चौपाल

बक्सर। जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय के नेतृत्व में माई बहन मान योजना को लेकर एक विशेष चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कांग्रेस पार्टी की सोंच को लोगों तक पहुंचाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मला देवी ने की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। चौपाल को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज ने कहा कि यदि राज्य में महागठबंधन की सरकार बनती है, तो माई बहन मान योजना सरकार गठन के 24 घंटे के भीतर लागू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगी, जो सीधे तौर पर महिलाओं के जीवन में बदलाव लाएगी। डॉ. पांडेय ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने वादों पर अमल करने वाली पार्टी है।

मेडिकल छात्रों की आत्महत्या पर डॉक्टरों ने बक्सर में निकाला कैंडल मार्च



केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में रविवार को मेडिकल छात्रों की आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने मौन कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया। यह मार्च ज्योति चौक से वीर कुंवर सिंह चौक तक निकाला गया, जिसकी अध्यक्षता बिहार स्टेट डेंटल हेल्थ के जनरल सेक्रेटरी डॉ. आशुतोष सिंह ने की। कैंडल मार्च में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सदस्यों समेत दर्जनों चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। मार्च के दौरान डॉक्टरों ने पोस्ट ग्रेजुएट व अंडरग्रेजुएट मेडिकल छात्रों के बढ़ते मानसिक दबाव, फीस में बेतहाशा वृद्धि और कथित शारीरिक व मानसिक शोषण को आत्महत्याओं के पीछे प्रमुख कारण बताया।

डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि हर साल छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। मेडिकल कॉलेजों में मनमानी फीस वसूली और मानसिक प्रताड़ना छात्रों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के बावजूद फीस निर्धारण में धांधली हो रही है।

उन्होंने बताया कि इस गंभीर मसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट, जोधपुर हाईकोर्ट और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को ई-मेल के माध्यम से पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। साथ ही यह भी मांग किया है कि सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का स्पष्ट किया जाए। जिसकी गलत व्याख्या कर अभिभावकों को गुमराह किया जा रहा है। उनसे गलत तरीके से फीस की वसूली की जा रही है। समय रहते इसे नहीं रोका गया। तब मेडिकल स्टूडेंट की आत्महत्या करने की दर में और वृद्धि होगी। सभी जानते है कि डॉक्टर की पढ़ाई काफी कठीन होती है। हर दिन नए चैलेंज आते है। उसमें फीस उनकी मानसिक दबाव का बढ़ा दे रहे है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन रूकेगा नहीं।

कैंडल मार्च में डॉ. रंगनाथ तिवारी, डॉ. रितेश चौरसिया, डॉ. वीके सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. श्रीनिवास उपाध्याय, डॉ. अंजन पांडेय, डॉ. विशाल तिवारी सहित अन्य प्रमुख चिकित्सक शामिल रहे।

यूपी से बक्सर होते हुए वैशाली ले जायी जा रही शराब की खेप वीर कुंवर सेतू पर जब्त

84 लीटर विदेशी शराब जब्त

- कार के सीट व इंडिकेटर के अलावे गेट में सुराख बना छिपाई गई थी शराब की बोतले

केटी न्यूज/बक्सर



शराबंदी वाले बिहार में आए दिन शराब तस्करी के नये नये हथकंडे देखने को मिल रहे है। कुछ ऐसा ही मामला रविवार की मध्य रात्रि बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतु पर देखने को मिलाए जब तस्करों ने शराब की सुरक्षित तस्करी के लिए पूरी कार को ही अंदरग्राउंड गोदाम बना दिया था। हालांकि वे वीर कुंवर सिंह सेतु पर मुश्तैद उत्पाद विभाग की टीम को चकमा नहीं दे सकें। बल्कि पुल पर तैनात उत्पाद विभाग की टीम ने शराब की खेप के साथ रंगे हाथ दो तस्करों को पकड़ लिया। उत्पाद टीम ने दोनों को गिरफ्तार करने के साथ ही कार को भी जब्त कर लिया। कार के अंदर से विभिन्न ब्रांड के 84 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ। जिसका बाजार मूल्य डेढ़ लाख रूपए आंका जा रहा है। उत्पाद विभाग व स्थानीय पुलिस टीम गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क को खंगाल रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मुकेश शर्मा पिता इंदल शर्मा व संजीव कुमार पिता सुरेन्द्र साव के रूप में हुई है। दोनों वैशाली जिले के रूनी सैदपुर के रहने वाले है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात उत्पाद विभाग की टीम वीर कुंवर सिंह सेतु पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। उत्पाद विभाग की टीम ने जब कार को रूकवा चालक तथा उसमें आगे की सीट पर बैठे एक अन्य युवक से पूछताछ शुरू की तो दोनों पुलिस को छकाने का प्रयास करने लगे। लेकिनए उत्पाद विभाग की टीम उनके मंसूबे को भांप गई तथा कार को चारों तरफ से घेर चालक को हिरासत में ले तलाशी अभियान शुरू की। उत्पाद विभाग की टीम ने जब उक्त कार को रोका तो वह बाहर से खाली दिखाई दे रही थी।

कार में चालक के अलावे एक अन्य युवक आगे की सीट पर बैठा था। जबकिए कार के अंदर का सीट पूरी तरह से खाली थी। बाहर से देखने पर कार के अंदर भारी मात्रा में शराब मिलने की उम्मीद उत्पाद विभाग की टीम को भी नहीं थीए लेकिन कार सवार लोगों की घबड़ाहट से उत्पाद टीम का शक बढ़ा तथा टीम ने जब पीछे वाले सीट को उठाया तो उनका राज खुल गया। पीछे वाले सीट के अंदर बने तहखाने से विदेशी शराब की बोतले निकलने लगी। इसके बाद उत्पाद टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर कार की विधिवत तलाशी ली। इस दौरान सीटी के नीचे के अलावे दोनों इंडिकेटर के अंदरए गेट के पास बने तखाने के अलावे कार के कई अन्य हिस्सों से शराब की बोतले निकली। जिसे देख उत्पाद विभाग की टीम भी हैरत में पड़ गई। गिरफ्तार किए गए तस्करों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करा उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहांए न्यायाल के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया है। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शराब की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर के दक्षिण टोला मोहल्ले से देशी शराब की खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया है। तस्कर के पास से 12 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नोनियाडेरा गांव निवासी ब्रजेश कुमार पिता बुचुन प्रसाद के रूप में हुई है। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक तस्कर दक्षिण टोला में शराब की खेप पहुंचाने आ रहा है। इस सूचना पर एक पुलिस टीम गठित कर उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। इसी दौरान वह आता दिखाई पड़ा। पुलिस ने जब उसे रोक बाइक के पीछे बंधे प्लास्टिक के बोरे की तलाशी ली तो उसमें शराब मिला। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। इसके साथ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कंजिया गांव में नवविवाहिता ने की आत्महत्या

नावानगर । सिकरौल थाना क्षेत्र के कंजिया गांव में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान परसिया (चक्की थाना क्षेत्र) निवासी नेहा कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी फरवरी 2025 में कंजिया गांव निवासी जयमंगल ठाकुर से हुई थी। थानाध्यक्ष रिकेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण पति-पत्नी के बीच विवाद सामने आया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमरांव 9 pm

सीएम नीतीश का शासन सामाजिक न्याय और विकास का बेहतरीन मॉडलः अंजुम आरा

- नीतीश सरकार की अल्पसंख्यक हितैषी नीतियां बनीं चर्चा का केंद्र
- जदयू द्वारा आयोजित किया गया अल्पसंख्यक संवाद

केटी न्यूज/डुमरांव



जेडीयू जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की एक दिवसीय अल्प संख्यक संवाद बैठक आयोजित की गई। जिसमें पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए किए गए कार्यों को नई मिसाल बताया। बैठक की अध्यक्षता वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सोहराब कुरैशी और संचालन जदयू जिला अध्यक्ष सिराज इदरीसी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी प्रवक्ता अंजुम आरा, पूर्व विधायक मो. शरफुद्दीन, मो. शौकत अली, रजिया कामिल अंसारी, डॉ. अब्दुल रशीद हाशमी और मो. अब्दुल बाकी शामिल हुए। पूर्व प्रत्याशी अंजुम आरा ने कहा कि नीतीश कुमार का शासन सामाजिक न्याय और विकास का बेहतरीन मॉडल है।

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, हुनर योजना, मदरसा आधुनिकी करण और आवासीय विद्यालय जैसी योजनाएं जमीनी स्तर पर क्रियान्वित की गई हैं। वहीं पूर्व विधायक मो. शरफुद्दीन ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी को ऐतिहासिक कदम बताया, जिससे सांप्रदायिक तनाव में कमी आई है। उन्होंने बताया कि अब तक आठ हजार से अधिक संवेदनशील कब्रिस्तानों की घेराबंदी पूरी हो चुकी है। वहीं रजिया कामिल अंसारी ने महिलाओं को स्वरोजगार और यूपीएससी व बीपीएससी में प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. हाशमी ने मदरसों के आधुनिकीकरण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य निधि से मदरसों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। सेराज अंसारी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल कायम हुई है। कार्यक्रम में धीरज प्रजापति ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दैतरा बाबा पुल के पास नहर में गिरी स्कॉर्पियो, हादसा टला

केटी न्यूज/राजपुर



सावन की सोमवारी के मौके पर जहां पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ था, वहीं देर शाम एक बड़ा हादसा टल गया। थाना क्षेत्र के चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर स्थित दैतरा बाबा पुल के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पानी भरे नहर में जा गिरी। गाड़ी में सवार सभी पांच लोग सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए, जिसमें विष्णु पांडेय, डब्लू पांडेय और शशि पांडेय शामिल हैं। घटना शाम करीब 7:35 बजे की है जब स्कॉर्पियो रोहतास जिले के करगहर से बक्सर की ओर जा रही थी। पुल के पास तीखे मोड़ पर चालक गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा और वाहन करीब सात फीट नीचे नहर में पलट गई। गाड़ी की गति इतनी तेज थी कि वह सीधा पानी में जा गिरी और चारों चक्के ऊपर हो गए।घटना के समय पास के दैतरा बाबा मंदिर परिसर में मौजूद दर्जनों कांवरियों ने बिना देर किए तत्परता दिखाते हुए पानी में छलांग लगा दी और स्कॉर्पियो का शीशा तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया। इस मानवीय साहस और जागरूकता से एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर राजपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष रौशन अली अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि स्कॉर्पियो में सवार सभी लोगों को केवल मामूली चोटें आई हैं और प्राथमिक जांच की जा रही है। यात्रियों ने बताया कि वे किसी निजी कार्य से बक्सर जा रहे थे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सभापति मिश्रा इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशनल एवं अनंतविजयम एकेडमी परिसर में आयोजित हुआ समारोह

विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन व समर्पण की भावना जगाएं शिक्षक

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव स्थित सभापति मिश्रा इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशनल एवं अनंतविजयम एकेडमी परिसर शनिवार को देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। अवसर था कारगिल विजय दिवस का, जिसे देश की सैन्य विजय और शौर्यगाथा के प्रतीक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में कारगिल युद्ध में अपनी भूमिका निभा चुके पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सूबेदार मेजर रामनाथ सिंह ने की। समारोह की शुरूआत पूर्व सैनिकों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। मंच पर मौजूद विशिष्ट अतिथियों ने कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अनंतविजयम एकेडमी के प्रेसिडेंट चंदन कुमार मिश्र ने सभी पूर्व सैनिकों को अंग वस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सूबेदार मेजर रामनाथ सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। ऑपरेशन विजय के माध्यम से भारतीय सेना ने दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र में दुश्मनों को परास्त कर यह साबित कर दिया कि भारतीय जवानों का साहस और समर्पण किसी भी परिस्थिति में अद्वितीय है।

समारोह के दौरान कई पूर्व सैनिकों ने अपने युद्धकाल के अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे कठिन परिस्थितियों में उन्होंने मातृभूमि की रक्षा की। उनकी प्रेरक गाथाओं ने उपस्थित जनसमूह विशेषकर युवा शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को गहरे रूप से प्रभावित किया। कार्यक्रम में बोलते हुए प्रेसिडेंट चन्दन कुमार मिश्र ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना से ओत-प्रोत करें। उन्होंने सभी प्रशिक्षु शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध रहें। देशसेवा के इस भाव को और गहरा करने के लिए पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में भी पहल की गई। समारोह में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को पौधे भेंट किए गए, ताकि वे अपने परिवेश को हरित बनाकर देशहित में योगदान दें। इस आयोजन में सूबेदार मेजर रामनाथ सिंह, सूबेदार मेजर हरिशंकर सिंह, जय प्रकाश प्रसाद, सुरेन्द्र सिंह, राजबली सिंह, ललन मिश्र, ददन प्रसाद सिंह, सूबेदार ललन तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने पर भाजपाइयों का फूटा गुस्सा

धनबाद, एजेंसी। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित अटल मुहल्ला क्लीनिक का नाम हेमंत सोरेन सरकार द्वारा बदले जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। शहर के कंबाइंड बिल्डिंग चौक से रणधीर वर्मा चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इसके अंत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर सरकार के निर्णय का तीव्र विरोध किया। पूरे मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ता 'हेमंत सोरेन मुर्दाबाद', 'अटल जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', और 'अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें' जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए तथा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि हेमंत सरकार का यह निर्णय राजनीतिक संकीर्णता और जन भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता का प्रतीक है। यह न सिर्फ अटल जी का अपमान है, बल्कि झारखंड की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। हम सरकार से मांग करते हैं कि अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम पुनः बहाल किया जाये। उन्होंने कहा कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा देने वाले अटल जी जैसे महान नेता के नाम को मिटाने का प्रयास, महज मिशनरियों के वोट बैंक के लिए किया जा रहा एक षड्यंत्र है। इसे भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। विरोध प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष बीरेंद्र हांसदा, जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी, मुकेश पांडेय, रीता प्रसाद, पंकज सिन्हा, पुरुषोत्तम रंजन, किशोर मंडल, राजाराम दत्ता, संजय कुशवाहा, सन्नी रवानी, निर्मल प्रधान, मौसम सिंह, जगबंधु मंडल, शंभु सिंह, उमेश सिंह, अरुण सिंह, मनोज सिंह भवानी, बेबी यादव, चनेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

हाईकोर्ट ने आईएएस विनय चौबे के मामले में एसीबी से मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को शराब घोटाले के आरोपी आईएएस विनय चौबे की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए एसीबी को पूरक शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से पूर्व में दाखिल जवाब को वापस लेने के लिए हस्तक्षेप याचिका दाखिल की गई, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया।अदालत ने कहा कि यदि एसीबी के पास कोई अतिरिक्त जानकारी है तो वह 30 जुलाई तक पूरक शपथ पत्र दाखिल करे। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई एक अगस्त को निर्धारित की है। दरअसल, शराब घोटाला मामले में जेल में बंद आईएएस विनय चौबे ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए एसीबी की कार्रवाई को गलत बताया है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता देवेश आजमानी ने अदालत को बताया कि प्रार्थी की गिरफ्तारी से पहले जो प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, एसीबी ने उसका पालन नहीं किया। आरोपी को गिरफ्तारी से पहले कारण बताना होता है, लेकिन एसीबी ने ऐसा नहीं किया।उनकी गिरफ्तारी में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया। इसलिए गिरफ्तारी को रद्द करने का निर्देश दिया जाए। एसीबी की ओर से इसका विरोध किया गया। मालूम हो कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद रांची एसीबी ने वर्ष 2024 में प्रारंभिक जांच की थी। इस मामले में विनय चौबे सहित अन्य पर आरोप सही पाए जाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। 20 मई को एसीबी ने विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ चौबे ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

पावर हाउस से स्क्रैप चोरी करने वाले चोर गिरोह का खुलासा, आठ अपराधी गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। शहर के पावर हाउस में स्क्रैप की चोरी करने वाले एक बड़े गिरोह का रांची पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में चोर गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास भारी मात्रा में बिजली विभाग से जुड़े स्क्रैप भी बरामद किए गए हैं। राजधानी रांची के कुछ इलाकों में संगठित तरीके से पावर हाउस में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा था। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित पावर हाउस से भी चार जुलाई को चोरी की बड़ी घटना हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी सह एसएसपी ने सिटी एसपी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर चोर गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया था। गठित टीम ने तत्परतापूर्वक अनुसंधान करते हुए चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर कुल 40 बंडल स्क्रैप तार, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई है कि स्थानीय तौर पर ये लोग संगठित गिरोह बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

खूंटी में बारिश का कहर, दो नदियों पर बना डायवर्सन बहा, एक पुलिया भी टूटी, कई गांवों का आवागमन बाधित

खूंटी, एजेंसी। बारिश ने खूंटी जिले के लिए फिर मुसीबतें बढ़ा दी हैं। पिछली बारिश में पेलोल गांव में बनई नदी पर बना पुल बह गया था। इस बार नदी पर बना अस्थायी डायवर्सन भी शुक्रवार रात हुई बारिश में बह गया। इसके अलावा, खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर मार्ग पर छता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। जबकि रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत जरागुट्ट गांव के पास बना एकमात्र पुलिया भी भारी बारिश के कारण दो टुकड़ों में टूट गया। इससे आसपास रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।



बनई नदी पर बना डायवर्सन बहा : दरअसल, 19 जून को खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पेलोल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल भारी बारिश में टूट गया था। जिसके बाद श्रावणी मेले को देखते हुए आनन-फानन में डायवर्सन तैयार किया गया था। पुल टूटने के बाद स्थानीय नेताओं और अधिकारियों के निर्देश पर एसकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी ने स्कूली बच्चों, श्रद्धालुओं, किसानों और आम लोगों की सुविधा के लिए इस कच्चे डायवर्सन का निर्माण किया था, लेकिन उसके बाद हुई पहली भारी बारिश में यह भी बह गया।

भाजपा नेता मनोज कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात हुई बारिश के कारण अस्थायी डायवर्सन भी अब उपयोग लायक नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि बारिश के बीच बनाया गया डायवर्सन बह गया और बरसात में स्थायी या स्थायी डायवर्सन बनाना संभव नहीं है।

छाता नदी पर बना डायवर्सन तीसरी बार बहा : इसके अलावा खूंटी सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर छाता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर बने डायवर्सन के टूटने से डोड़मा, जम्हार, गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन और गोविंदपुर को जिले से जोड़ने वाला यह पथ अवरुद्ध होने से बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। गौरलतब है कि लगभग दो दशक पहले बना यह पुल खूंटी और गुमला जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है, जो रांची जिले के लापुंग से होकर गुजरता है। खूंटी को गुमला जिला मुख्यालय और लापुंग से जोड़ने वाले इस मार्ग से सौ से अधिक गाँव प्रभावित होंगे।

आपको बता दें कि पहली बार डायवर्सन 19 जून को टूटकर बह गया था, दूसरी बार 8 जुलाई को टूटा था। बार-बार डायवर्सन टूटने से लोग इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। डायवर्सन टूटने से इस पर आवागमन अवरुद्ध हो गया है। लोगों, खासकर स्कूली छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग जान जोखिम में डालकर मोटरसाइकिल और साइकिल को धक्का देकर डायवर्सन पार कर रहे हैं। चार पहिया वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। लोगों को डोड़मा जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लोगों को आठ से दस किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

इस संबंध में पूछे जाने पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता रामेश्वर साह ने बताया कि अत्यधिक बारिश और पानी के तेज बहाव के कारण डायवर्सन टूटा है। अत्यधिक बारिश के कारण इस डायवर्सन से पांच से छह फीट ऊपर पानी बह रहा है, जिसके कारण डायवर्सन टूटा है। जलस्तर कम होने के बाद जल्द ही इसकी मरम्मत की जाएगी।

खूंटी, चाईबासा और सिमडेगा को जोड़ने वाली पुलिया टूटी

जिले के रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत जरागुट्ट गांव के पास बनी एकमात्र पुलिया भारी बारिश का कहर नहीं झेल सकी और ध्वस्त हो गई। यह पुलिया न सिर्फ खटखुरा पंचायत के लोगों के लिए जीवन रेखा थी, बल्कि रनिया प्रखंड मुख्यालय को पश्चिमी सिंहभूम जिले के दर्जनों गांवों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क पर भी स्थित थी। इसके टूटने से खूंटी, चाईबासा और सिमडेगा का इस मार्ग से संपर्क टूट गया है।

पिछले कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने इलाके की जलनिकासी व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। जरागुट्ट गांव के पास बना यह पुल पानी के तेज बहाव में बह गया, जिससे इस इलाके के करीब 30 गांवों का संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पुलिया के ध्वस्त होने से न सिर्फ लोगों का दैनिक आवागमन ठप हो गया है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का अस्पताल पहुंचना और जरूरी सामानों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

अंग विफलता पूरे परिवार को मानसिक व आर्थिक रूप से झकझोर देती है : डॉ. हीरेंद्र

रांची, एजेंसी। राज्य अंग व उत्तक प्रत्यारोपण संगठन झारखंड और रिम्स स्थित डायलिसिस केंद्र नेफ्रोप्लस ने अंगदान जागरूकता सत्र का आयोजन शनिवार को किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डायलिसिस पर आश्रित मरीजों और उनके परिजनों को अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। यह आयोजन अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान' के अंतर्गत किया गया, जो कि वर्ष 2025-26 के दौरान एक वर्ष तक चलाया जाने वाला जनजागरूकता अभियान है।



कार्यक्रम चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हीरेंद्र बिरुआ, नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञापंत घोष और संगठन के नोडल पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन मौजूद थे। डॉ. हीरेंद्र बिरुआ ने कार्यक्रम में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से कहा कि अंग विफलता न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि पूरे परिवार को मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से झकझोर देती है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी अंगदान को समर्थन दें और समाज में इसके महत्व को दूसरों तक पहुंचाएं।

डॉ. प्रज्ञापंत ने किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया और यह किन मरीजों के लिए जरूरी है, इस पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर ट्रांसप्लांट से न केवल मरीज का जीवन लंबा होता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि डायलिसिस एक अस्थायी समाधान है, जो जीवन को बनाए रखता है, पर साथ ही उसे सीमित भी करता है। अंततः एक स्वस्थ, स्वतंत्र और बेहतर जीवन के लिए किडनी प्रत्यारोपण सबसे अच्छा समाधान है। डॉ. राजीव रंजन ने अंगदान की आवश्यकता व प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अंगदान के सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया।

सहेली के घर से ही गायब कर दिया था 30 लाख का गहना, पति के साथ हुई गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। सीएमपीडीआई कर्मचारी रानी कुमारी के घर पर हुए चोरी का खुलासा हो गया है। चोरी का खुलासा भी बेहद चौंकाने वाला है। रानी के यहां चोरी उनकी सबसे विश्वस्त सहेली ने ही की थी।रांची के सीएमपीडीआई में कार्यरत महिला क्लर्क रानी कुमारी के घर से 30 लाख रुपये से अधिक के आभूषण चोरी का रांची पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने रानी कुमारी की करीबी दोस्त कविता शर्मा को इस चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पति विकास बहादुर को भी गिरफ्तार किया गया है।



कविता ने चोरी के आभूषण अपने ही ऑफिस में छिपा कर रखे थे। जांच के दौरान पुलिस ने कविता के कार्यालय सीएमपीडीआई के फाइनेंस डिपार्टमेंट से 22 तोला सोना और हीरे के जेवरात बरामद किए हैं। आठ तोला सोना उसने अपने पति के पास हैदराबाद भेज दिया था, जिसे पति ने मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखकर पांच लाख रुपये का लोन भी ले लिया। चोरी की आरोपी कविता शर्मा सीएमपीडीआई में चपरासी के पद पर कार्यरत है। जबकि उसका पति विकास बहादुर हैदराबाद के एक होटल में काम करता है। डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि इसी साल पांच मई को गोंदा थाना अतंर्गत कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई कॉलोनी में चोरी की घटना हुई थी। इस संदर्भ में पीड़ित रानी कुमारी ने रांची के गोंदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध करीब 298 ग्राम सोने के गहने चोरी किये जाने के आरोप में गोंदा थाना कांड सं0 58/25, धारा 331(4)/305 दर्ज किय गया था। इस कांड के उद्भेदन हेतु पुलिस उपाधीक्षक सदर रांची के दिशा निर्देश पर पु0नि0 सह थाना प्रभारी गोंदा के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा कांड का उद्भेदन किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में यह ज्ञात हुआ कि इस कांड मे चोरी किये गये गहनों को हैदराबाद के मुथुट फाईनेंस की शाखा में गिरवी रखकर करीब 5 लाख 43 हजार रुपये का लोन लिया गया है। जिसे अनुसंधान के क्रम में हैदराबाद से बरामद किया गया तथा विकास बहादुर की निशानदेही पर बाद में रांची मे पुनः छापेमारी के क्रम में पीड़ित की सहेली कविता शर्मा के द्वारा कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई के कार्यालय के अलमारी से बरामद किया गया है। जिसे कविता शर्मा ने चोरी करने के बाद अपने कार्यालय के अलमारी में छिपाकर रख दिया था।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को मिली धमकी: 2 अलग-अलग नंबरों से 5 बार किया फोन

रांची, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को एक बार फिर जान से मारने की धमकी गई है। अपराधियों ने दो अलग-अलग नंबरों से पांच बार फोन कर उन्हें मारने की धमकी दी। मंत्री की शिकायत के बाद दिल्ली और रांची पुलिस अपराधियों की पहचान में जुट गई है। संजय सेठ ने बताया कि करगिल दिवस पर भाग लेने वे शुक्रवार को द्रास गए थे। वहीं उनके नंबर पर फोन आया। पीए जीतेंद्र महतो के फोन उठाते ही उधर से जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद दो अलग-अलग नंबरों से चार बार फिर फोन कर धमकाया।

फोन करने वाला बार-बार कह रहा था कि उन्होंने कई लोगों की हत्या की है। अब मंत्री की बारी है। संजय सेठ ने बताया कि उन्होंने तत्काल रांची और दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने उन्हें उन फोन नंबरों को सार्वजनिक न करने को कहा है। जांच में पुलिस को अब तक क्या मिला है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं मिली है। पुलिस जांच कर रही है कि किसने और कहां से फोन कर उन्हें धमकी दी है। संजय सेठ ने कहा कि पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। वे अपना काम कर रहे हैं।केंद्रीय मंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव जितेंद्र नाथ महतो ने शनिवार को दिल्ली में एफआईआर दर्ज कराई है।



उन्होंने कहा कि है कि केंद्रीय मंत्री के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। बाद में अपराधियों ने मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था कि आप पर गोली चलेगी।शनिवार शाम दिल्ली पुलिस के वरीय अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और सारी स्थितियों की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने मंत्री के निजी सचिव से भी बात की। मंत्री ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को ही झारखंड के डीजीपी को बता दिया था। अपराधियों की मांग क्या है, वे क्यों धमकी दे रहे हैं, इस सवाल पर मंत्री ने कहा कि यह तो वे जानें।

संजय सेठ को पिछले साल दिसंबर में भी फोन पर धमकी मिली थी। फोन करने वालों ने उनसे 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। पैसे न देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में दिल्ली और रांची पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से कांके के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला था कि आरोपी ने यह साजिश अपनी बेटी के प्रेमी को फंसाने के लिए रची थी। इसीलिए मंत्री को फोन पर धमकी दी थी। सात महीने में दूसरी बार धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

मदर टेरेसा के नाम पर मोहल्ला क्लीनिक का विरोध, कांग्रेस ने बताया क्यूं छटपटा रहा विपक्ष ?

रांची, एजेंसी। झारखंड में नेता प्रतिपक्ष रहे अमर बाउरी पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि करुणा और मानव सेवा की प्रतीक मदर टेरेसा के नाम पर अगर मोहल्ला क्लीनिक का नाम रखा गया है, तो भारतीय जनता पार्टी क्यों शोर मचा रही है।

मदर टेरेसा त्याग, तपस्या और संघर्ष की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन कुष्ठ रोगियों, अनाथों और बेसहारा लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा में लगा दिया। मदर टेरेसा को नोबेल शांति पुरस्कार और भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

ऐसे में उन पर धर्मांतरण का आरोप लगाकर भाजपा अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दे रही है। सिन्हा ने कहा कि राज्य गठन के बाद से भाजपा सबसे लंबे समय तक सत्ता के शीर्ष पर रही है। अमर बाउरी बताएं कि उनके कार्यकाल में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर एक भी योजना क्यों नहीं शुरू की गई। क्या वेंडर मार्केट का नाम स्वर्गीय अटल जी के नाम पर रखना अटल जी के प्रति सम्मान है, भाजपा बताए।

उन्होंने पूछा कि आज तक देश के प्रधानमंत्री ने देश में कितनी योजनाओं का नाम बदला है जो देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों के नाम पर थीं।



इस देश के महापुरुषों के नाम पर बनी कई सड़कों के नाम बदले गए। यहां तक कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा ने पटेल स्टेडियम का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम क्यों कर दिया? क्या सरदार पटेल का सम्मान भाजपा की नज़र में सिर्फ़ वोट बैंक के लिए है?

उन्होंने कहा कि अगर राज्य की जनता ने महागठबंधन को वोट देकर जिताया है, तो उन्हीं वोटों के ज़रिए उनके कुछ लोग विधायक बनकर सदन में भी पहुंचे हैं, तो कम से कम जनमत से मिले वोट का तो सम्मान करें। घुसपैठियों और धर्मांतरण के नाम पर कब तक अपनी राजनीतिक रोटियां सेकेंगे।

कांग्रेस के कार्यक्रम में उठा महिला आयोग को क्रियाशील बनाने का मुद्दा, मंत्री बोलीं- जल्द सीएम तक पहुंचेगी यह मांग

रांची, एजेंसी। झारखंड महिला कांग्रेस की ओर से शनिवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में संगठन सृजन कार्यक्रम सह सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह के साथ-साथ मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस कोटे के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं।

कार्यक्रम के बाद राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आज महिला कांग्रेस की ओर से संगठन सृजन कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग के वर्षों से क्रियाशील नहीं होने का भी मुद्दा उठा है। उन्होंने कहा कि जल्द वह अपने स्तर से महिला आयोग के अध्यक्ष पद को भरने और आयोग को क्रियाशील बनाने के लिए पहल करेंगी। वहीं, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सावन का महीना महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। आज महिला कांग्रेस की ओर से सभी को मेंहदी, हरी चूड़ियां मिली हैं। कार्यक्रम के दौरान दोनों मंत्रियों ने एक दूसरे और



फिर प्रदेश अध्यक्ष की हाथों में मेंहदी लगाकर शुभ सावन महीने की शुभकामनाएं दी। कृषि मंत्री ने कहा कि जब भी आधी आबादी को सम्मान देने की बात होती है, कांग्रेस का नाम सबसे पहले लिया जाता है। कांग्रेस ने हमेशा से ही महिलाओं का सम्मान किया है। झारखंड में कांग्रेस कोटे के चार मंत्री पद में से दो महिला मंत्री का होना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि जब महिलाएं पुरुषों से बराबरी की बात करती हैं। जब-जब पुरुषों के साथ कदम ताल करने का दंभ भरती है, तो उन्हें संगठन के मोर्चे पर भी अपनी ताकत का अहसास कराना होगा। राज्य में इस वक्त कांग्रेस का संगठन सृजन का कार्यक्रम चल रहा है। जब प्रदेश से लेकर ग्राम स्तर तक संगठन की मजबूती की कवायद चल रही है, तब महिलाओं को संगठन में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी।उन्होंने कहा कि महिलाओं की संगठन में भागीदारी से राजनीति में हिस्सेदारी भी बढ़ेगी। शिल्पी नेहा ने कहा कि समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार और दुर्व्यवहार के खिलाफ महिलाओं को ही आवाज बुलंद करनी होगी। एक महिला ही दूसरी महिला की ताकत है और हमें इस बात को समझना होगा। आज राज्य में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की कई योजनाएं चल रही है। महिला समूह को भूमि संरक्षण विभाग से ट्रैक्टर का वितरण किया जा रहा है। इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को आगे बढ़कर पहल करने की जरूरत है।

भाजपा में 30 प्रतिशत लोग हमारे, कोई आना चाहता है तो लिया जाएगा निर्णय- राजेश ठाकुर

पलामू, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी में 30 प्रतिशत लोग हमारे हैं, इनसे ही भारतीय जनता पार्टी का काम चल रहा है। कोई वापस आना चाहता है और कांग्रेस पार्टी से जुड़ना चाहता है तो कई बार पार्टी इस बारे में निर्णय लेगी। यह बात कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह नगर निकाय के प्रदेश पर्यवेक्षक राजेश ठाकुर ने पलामू में मीडिया से बातचीत करते हुए कही है।

दरअसल नगर निकाय चुनाव को लेकर राजेश ठाकुर पलामू में कांग्रेस पार्टी की कमेटी की समीक्षा के लिए जिला ईकाई के पार्टी नेताओं के साथ मिले और बैठक की। इसी दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव वर्ष के अंत तक होंगे। कांग्रेस पार्टी सभी निकायों में अपनी कमेटी बना रही है ताकि समर्थित प्रत्याशी को मदद पहुंचाया जा सके। मीडिया की तरफ से यह सवाल पूछा गया कि निकाय चुनाव के दौरान बौरो प्रत्याशी को कांग्रेस मदद करेगी क्या इसके जवाब में राजेश ठाकुर ने कहा कि यह सवाल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से नहीं पूछा जा सकता है। वह सर्व सुलभ है इसलिए यह सवाल पूछा गया है, प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से यह सवाल पूछा जाए तो क्या हो सकता है सबको पता है। भारतीय जनता पार्टी में 30 प्रतिशत उनके लोग।

सुभाषितम्

गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षडयंत्र है।

- महात्मा गाँधी

छात्रों की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता-सुधार के लिये नियम

छात्रों की खुदकुशी रोकने पर नाकाम सिस्टम पर सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल एक न्यायिक टिप्पणी नहीं है। बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा है। हाल के कुछ वर्षों में छात्रों की आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि ने सिद्ध कर दिया है, भारत का शैक्षणिक तंत्र बच्चों के मानसिक बोझ, प्रतियोगी दौड़ और असफलता का भय बन गया है। कोचिंग हब बन चुके कोटा, हैदराबाद, पटना बड़े महानगर और अन्य शहरों से हर महीने छात्र एवं छात्राओं की आत्महत्या की रोजाना खबरें आना बडा सामान्य हो गया है। शायद ही ऐसा कोई दिन छूटता हो, जब समाचार पत्रों में आत्महत्या की खबर देखने को ना मिलती हो। सामाजिक व्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्र में यह एक खतरनाक संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के लिए जो 15 दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वह शिक्षा के मानवीय संवेदनशील पक्ष को बहाल करने की दिशा में स्वागत योग्य पहल है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए बेहतर नीति लागू करने, प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त करने, छात्रों के बीच नंबर के आधार पर तुलना न करने, कोचिंग संस्थानों के पाठ्यक्रम का मानकीकरण जैसे बिंदु पर सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया है। यह नीतिगत हस्तक्षेप स्पष्ट करता है। शिक्षा केवल अंक लाने या रैंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। किताबी ज्ञान और रटंतु विद्या किसी का कैरियर नहीं बना सकती है। शिक्षा पारिस्थिति और वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए जरूरी है। शिक्षा का तंत्र ऐसा हो, जिसमें हर छात्र को समझा जाए, सुना जाए, मानसिक रूप से जिस शिक्षा के लिए वह पात्र हो, उसे जानकर शिक्षित किया जाए। सुप्रीमकोर्ट के इन निदेर्शों की खास बात यह है कि इनमें न केवल छात्रों की मानसिक स्थिति को प्राथमिकता दी गई है। कोचिंग और शैक्षणिक संस्थानों की जवाबदेही भी तय की गई है। यह समझना आवश्यक है, 15 से 25 वर्ष के बीच की आयु के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं और कैरियर बनाने के लिए सबसे संवेदनशील उम्र होती है। परीक्षा का दबाव, माता-पिता की अपेक्षाएं और भविष्य की अनिश्चितता, छात्र को अकेलेपन और भविष्य की संभावनाओं की चिंता में धकेल देती हैं। आर्थिक और मानसिक रूप से इस उम्र के युवा डर और भय में जीते हैं। शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थाएं इस मानसिक स्थिति की उपेक्षा करती हैं। ऐसी स्थिति में छात्र और छात्राओं के ऊपर बहुत प्रेशर होता है। जब उन्हें लगता है, इतना प्रेशर उनके लिए झेल पाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसी कदम उठा लेते हैं। सामाजिक और पारिवारिक सोच से जिस तरह बच्चों के ऊपर, भविष्य की चिंता को लेकर डर और भय बनाया जा रहा है। जो युवाओं को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का कारण बन रहा है। माता-पिता, कोचिंग संस्थान सरकार की शिक्षा नीति, प्रतियोगी परीक्षाओं में एक पद के पीछे हजारों बेरोजगारों की भीड़ से युवा अशांत और असुरक्षित है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसा कदम उठा लेता है। इसके लिए माता-पिता, कोचिंग संस्थान और सामाजिक दबाव और केरियर की चिंता जिम्मेदार है। इस दिशा में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की भूमिका और जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने नीति आयोग को 90 दिन के अंदर दिशा-निर्देश की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। जो आगे चलकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा बने, यह आशा है। शिक्षा जगत केवल ज्ञान और डिग्री देने की प्रक्रिया नहीं है। शिक्षा इंसान को बेहतर इंसान बनाने की यात्रा है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो प्रतिस्पर्धा के स्थान पर रोजगार उपलब्ध कराए। जिस तरह पानी अपना रास्ता स्वयं बनाता है। वैसे ही कैरियर में सफलता, अनुभव और समय के साथ मिलती है। परिवार, केंद्र एवं राज्य सरकारों को यह समझना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जो पहल की है। उसमे शिक्षा को अधिक सुरक्षित, समावेशी रोजगार मुखी, करुणाशील बनाने की दिशा में सार्थक पहल हो सकती है।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं।

आज भी याद आते हैं मिसाइल मैन डॉ. अब्दुल कलाम

- हर्षवर्धन पान्डे



सपने वो नहीं होते जो आपको रात में नींद में आएं लेकिन सपने वे होते हैं जो रात में सोने ना दें। ऐसी बुलंद सोच और अग्नि सरीखी ऊँची उड़ान रखने वाले मिसाइलमैन कलाम ही थे जिन्हें जनता का राष्ट्रपति यूँ ही नहीं कहा जाता था। उनका जीवन सादगी, समर्पण और देशभक्ति का प्रतीक है। एक वैज्ञानिक, शिक्षक, लेखक और भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने न केवल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में योगदान दिया, बल्कि लाखों युवाओं को सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा भी दी। अपने राष्ट्रपति पद के 5 बरस के कार्यकाल में डॉ. अवुल पकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम ने अन्य राष्ट्रपति के कार्यकालों के मुकाबले न केवल अमिट छाप छोड़ी बल्कि ऐसी मिसाल भारतीय राजनीती में दूर -दूर तक देखने को नहीं मिलती। डॉ. कलाम ने राष्ट्रपति पद के दरवाजे ना केवल आम आदमी के लिए ही नहीं खोले बल्कि समाज के हर तबके को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की। अपनी सादगी से उन्होंने पूरे देश की जनता का दिल जीता। डॉ. कलाम की शख्सियत ही यूँ थी कि हर कोई उनका मुरीद हो जाता था। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी वह आम इंसान की तरह सादगी में रहते थे। वह देश के उन सम्मानित व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने एक वैज्ञानिक और एक राष्ट्रपति के रूप में अपना अमूल्य योगदान देकर देश सेवा की। राष्ट्रपति पद पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से डॉ. कलाम शिलांग, अहमदाबाद और इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थानों तथा देश एवं विदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। डॉ. कलाम ने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रपति भवन के दरवाजे आम जन के लिए खोल दिए जहां बच्चे उनके विशेष अतिथि होते थे। वे हमेशा शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की बात करते थे। उनकी दृष्टि थी कि भारत 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बने, जिसे उन्होंने अपनी पुस्तक विजन 2020 में विस्तार से व्यक्त किया। 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में पैदा हुए अब्दुल कलाम ने मद्रास इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी से स्नातक करने के बाद भौतिकी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया और फिर उसके बाद रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से जुड़ गए। उनका बचपन भी बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा। प्राइमरी स्कूल के बाद कलाम ने श्वार्ट्ज हाईस्कूल, रामनाथपुरम में प्रवेश लिया। वहां की शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने 1950 में सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिन्नापल्ली में प्रवेश लिया। वहां से उन्होंने भौतिकी और गणित विषयों के साथ बीएससी की डिग्री प्राप्त की। अपने अध्यापकों की सलाह पर उन्होंने स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीयट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई का रुख किया। वहां पर उन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का चयन किया।

कलाम की इच्छा थी कि वे वायु सेना में भर्ती हों तथा देश की सेवा करें। यह इच्छा पूरी न हो पाने पर उन्होंने बे-मन से रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पाद का चुनाव किया। वहां पर उन्होंने 1958 में तकनीकी केन्द्र सिविल विमानन में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक का कार्यभार संभाला। उन्हीं दिनों इसरो में स्वदेशी क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से उपग्रह प्रक्षेपण यान कार्यक्रमह्न की शुरूआत हुई। कलाम को इस योजना का प्रोजेक्ट डायरेक्टर नियुक्त किया गया जिसे उन्होंने अंजाम तक पहुंचाया। जुलाई 1980 में रोहिणीह्न उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित करके भारत को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लबह्न के सदस्य के रूप में स्थापित कर दिया। उनकी देखरेख में भारत ने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों का विकास किया जिसने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। इसके अलावा, उन्होंने 1980 में ही एसएलवी थर्ड के सफल प्रक्षेपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसने भारत को अंतरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपण की क्षमता प्रदान की। डॉ. कलाम ने भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वीएस अरुणाचलम के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्रामह्न की शुरूआत की। इस योजना के अंतर्गत त्रिशूलह्न आकाशह्न, नागह्न, अग्निह्न एवं ब्रह्मोसह्न मिसाइलें विकसित हुई। डॉ. कलाम ने जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा डीआरडीओ के सचिव के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। उन्होंने भारत को सुपर पॉवरह्न बनाने के लिए 11 मई और 13 मई 1998 को सफल परमाणु परीक्षण किया। इस प्रकार भारत ने परमाणु हथियार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की और यह डॉ.कलाम की ही रणनीति थी कि पोकरण विस्फोटों की भनक अमरीका तक को नहीं लगी और परीक्षण सफल हुआ।

डॉ. कलाम नवम्बर 1999 में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे और फिर 25 जुलाई 2002 को भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति बने। उनका कार्यकाल उनकी सादगी और जनता से जुड़ाव के लिए जाना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन को जनता का भवन बनाया और विशेष रूप से युवाओं के साथ हर दिन समय बिताया। वे 25 जुलाई 2007 तक इस पद पर रहे। उनको पहली बार राष्ट्रपति बनाने में नेताजी ने मास्टर स्ट्रोक उस दौर में चला था जब तत्कालीन दौर के वामपंथी दल और विपक्ष एनडीए के इस फैसले के साथ गया था। दूसरी कार्यकाल के लिए सबसे पहले नेताजी ने तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के साथ डॉ. कलाम को राष्ट्रपति बनाने की बात सामने रखी थी लेकिन कांग्रेस की पसंद प्रणव मुखर्जी थे और वह डॉ.कलाम के साथ नहीं थी। डॉ. कलाम को दूसरे कार्यकाल की कोई चाह नहीं थी लेकिन करोडों प्रशंसकों का दिल उन्होनें नहीं तोड़ा और अपने दूसरे कार्यकाल के चयन पर सभी दलों की सम्मति को जरूरी बताया लेकिन कांग्रेस शायद उन्हें दूसरा कार्यकाल न देने एक मन शायद बना चुकी थी।

उनकी जीवनी विंग्स ऑ फायरह्न और तेजस्वी मन आज भी भारतीय युवाओं और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय पुस्तक है। डॉ. कलाम की लिखी पुस्तकों में गाइडिंग सोल्स : डायलॉग्स ऑन द पर्पज ऑफ लाइफ एक गंभीर कृति है। इनके अतिरिक्त उनकी अन्य चर्चित पुस्तकें इग्नाइटेड माइंड्स : अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया एनिवजनिंग अन एमपार्वड नेशन : टेक्नोलॉजी फॉर सोसायटल ट्रांसफारमेशनह्न, डेवलपमेंट्स इन फ्ल्यूड मैकेनिक्सि एण्ड स्पेस टेक्नालॉजीह्न, 2020: ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियमह्न सह लेखक- वाईएस राजन, इनिवजनिंग ऐन इम्पॉएर्वड नेशन : टेक्नोलॉजी फॉर सोसाइटल ट्रांसफॉरमेशनह्न सह लेखक- ए सिवाथनु पिल्ललई बेस्टसेलर रही हैं। राष्ट्रपति पद से विदाई के बाद डॉ. कलाम रिटायर और टायर्ड नहीं हुए। तकरीबन 300 से भी ज्यादा कालेजों और स्कूल में वह अपना लेक्चर देने गए। उनके जीवन में 2011 में एक मौका ऐसा भी आया जब अमरीका के एयरपोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति होने के बाद भी उनकी सघन तलाशी ली गयी जहाँ उनके कपड़े उतारे जाने की घटना से पूरा देश आहत हुआ था लेकिन डॉ. कलाम ने इस पर कुछ भी नहीं कहा। यह उनकी महानता और जीवटता थी जो उन्हें महामहिम सरीखे शिखर पर ले गई और हमेशा आम इंसान की तरह बेरोकटोक अपना काम समर्पित भाव से करते रहे।

परंपरा की जड़ें और आधुनिकता की डालियां

- प्रियंका सौरभ



हरियाली तीज केवल श्रृंगार, झूला और व्रत का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के आत्मबल, प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। आधुनिकता की दौड़ में यह त्योहार भले ही प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा हो, पर इसकी आत्मा अब भी स्त्री के मन, पर्यावरण और लोकसंस्कृति में जीवित है। यह पर्व रिश्तों में स्थायित्व, समाज में समरसता और जीवन में हरियाली लाने का संदेश देता है। आवश्यकता है इसे सादगी, सामूहिकता और संवेदना के साथ फिर से जीने की, ताकि परंपरा आधुनिकता के संग आगे बढ़े। हरियाली तीज का नाम लेते ही आँखों के सामने एक चित्र उभरता है—हरा चूनर ओढ़े खेत, बारिश की बूंदों से भीगी धरती, झूलती बालाएं, मेंहदी रचे हाथ और लोकगीतों की सुमधुर गूंज। पर यह चित्र अब केवल स्मृति में रह गया है, क्योंकि आधुनिकता की तेज रफ्तार ने परंपराओं के रंगों को हल्का कर दिया है। फिर भी हरियाली तीज आज भी भारतीय स्त्रियों के मन में गहरे तक रची-बसी है। यह पर्व आज केवल धार्मिक या पारंपरिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी विशेष महत्व रखता है। हरियाली तीज वर्षा ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है, जो शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की स्मृति में विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। यह श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को आता है, जब आसमान बादलों से भर जाता है और धरती पर हरियाली बिछ जाती है। हरियाली तीज का मूल भाव प्रेम, समर्पण, सौंदर्य और प्रकृति के साथ तादात्म्य का है। पहले जहां इस पर्व को गाँवों और कस्बों में सामूहिक रूप से खुले वातावरण में मनाया जाता था, वहीं आज शहरी अपार्टमेंटों, वातानुकूलित हॉलों और सोशल मीडिया की चमक में इसकी आत्मा कहीं खोती जा रही है।

प्रश्न यह नहीं है कि पर्व मनाया जा रहा है या नहीं, प्रश्न यह है कि हम किस भाव से उसे निभा रहे हैं। पहले यह त्योहार स्त्रियों को सालभर की व्यस्तता और परिश्रम से थोड़ी राहत देने वाला, उनके भावनात्मक संसार को सहेजने वाला एक सहज अवसर होता था। स्त्रियाँ बिना किसी दिखावे के, प्राकृतिक परिवेश में एक-दूसरे से मिलती थीं, अपने सुख-दुख साझा करती थीं, लोकगीतों में अपने अनुभवों को पिरोती थीं। लेकिन अब यह पर्व कहीं-कहीं ह्यसर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिताह्न, ह्यतीज क्वीनह्न और ह्यसेल्फी विद स्विंगह्न जैसे आयोजनों में तब्दील हो गया है, जहाँ संवेदना की जगह प्रतियोगिता ने ले ली है। हरियाली तीज स्त्री मन के उस पक्ष को उजागर करता है जो प्रेम, प्रतीक्षा और पारिवारिक समर्पण से जुड़ा होता है। आज के दौर में जब रिश्ते त्वरित संवाद और क्षणिक भावनाओं में बदलते जा रहे हैं, तब यह पर्व स्थायित्व, आस्था और धैर्य का संदेश देता है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि संबंधों को केवल अधिकार से नहीं, कर्तव्य और भावना से निभाया जाता है। पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखना हो या शिव-पार्वती जैसे दांपत्य संबंधों की कल्पना, इन सबमें एक ऐसा भाव छिपा है जो स्त्री को त्याग का नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बनाता है। आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह पर्व कई नए अर्थों को जन्म देता है। जहां पहले तीज केवल विवाहित स्त्रियों तक सीमित थी, अब कई स्थानों पर इसे अविवाहित लड़कियाँ भी आत्मिक अनुभूति और सामूहिक संस्कृति के रूप में मनाने लगी हैं। कार्यरत महिलाओं के लिए यह पर्व अपने अस्तित्व और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक माध्यम बनता जा रहा है। वही महिलाएं, जो दिनभर कार्यालयों में कंप्यूटर की स्क्रीन के सामने बैठी रहती हैं, तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुछ पल के लिए प्रकृति के साथ जुड़ जाती हैं। यह जुड़ाव आज की मानसिक थकान और तनाव के दौर में एक भावनात्मक उपचार जैसा है। परंतु आधुनिकता की यह यात्रा केवल सकारात्मक बदलाव नहीं लाती। तीज अब एक ह्यसोशल मीडिया इवेंटह्न बन गया है, जहाँ हर महिला को यह सोचकर श्रृंगार करना पड़ता है कि उसकी फोटो सबसे सुंदर दिखे। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ट्रेंड त्योहार को ग्लैमर से तो भरते हैं, पर उसकी आत्मा को खोखला भी करते हैं। त्योहार अब मन की खुशी से ज्यादा दिखावे की होड़ में शामिल हो गया है। यही कारण है कि त्योहार बीतने के बाद भी मन संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि वह जुड़ाव, वह सामूहिकता, वह आत्मीयता अब केवल तस्वीरों में सीमित रह जाती है। हरियाली तीज की सबसे सुंदर बात यह थी कि यह पर्व हमें प्रकृति के करीब ले जाता था। खेतों में लगे झूले, पेड़ों पर टंगे कागज के फूल, मिट्टी से बने शिव-पार्वती के स्वरूप – ये सब हमें याद दिलाते थे कि हम प्रकृति के ही अंश हैं। आज जब हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, पेड़ों की कटाई और प्रदूषण जैसे संकटों से जूझ रहे हैं, तब तीज जैसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की चेतना दे सकते हैं। अगर हर तीज पर एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए, अगर बच्चों को झूला झुलाने के साथ-साथ पेड़ से प्रेम करना सिखाया जाए, तो यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, पर्यावरणीय आंदोलन बन सकता है। तीज में महिलाएं लोकगीत गाती थीं, जिनमें नारी की पीड़ा, उसकी उम्मीदें, उसकी हंसी, और उसका समाज से संवाद छुपा होता था। आज वह लोकगीत मोबाइल की रिंगटोन बन चुके हैं या यूट्यूब के व्यूज तक सिमट गए हैं। हमें इन गीतों को फिर से जीवन में लाना होगा। नारी की आवाज को उसकी भाषा, उसकी धुन, और उसके लोकसंगीत में फिर से पिरोना होगा। यदि हम सच में महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं तो इन सांस्कृतिक मंचों को पुनर्जीवित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्त्रियों को आत्म-अभिव्यक्ति की सबसे स्वाभाविक जमीन देते हैं।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

-पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वपप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्यस बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं। विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था। यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्यि के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है। बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यालपक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है। छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा। असंख्य रोजगार- आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थाकयित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्रा, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यायवसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

आज का राशिफल

मेष आज नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरे करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृषभ आज आप पूरे उत्साह से हर काम को पूरा करेंगे और उसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे।

मिथुन फाइनेंस से जुड़े फैसले लेने होंगे क्योंकि, आने वाले समय में आज ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।

कर्क बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है। कोई नई डील भी शर्तों के साथ प्राप्त हो सकती है।

सिंह दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर सहकर्मी आपके टीमवर्क को देखकर हैरान रह जाएंगे।

कन्या आपको इधर उधर की बातों को इग्नोर करके अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

तुला आज नौकरी के मामले में आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में काम अच्छा चलेगा।

वृश्चिक आपको अपनी योजनाओं को और विचारों पर अब अमल करने का मौका मिल सकता है।

धनु आज दिन मेहनत भरा रह सकता है। काम को पूरा करने में आपको ज्यादा व्यस्त रहेंगे।

मकर सभी चीजों को जांच ले और उसके बाद ही किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें।

कुंभ शुभ समाचार के इंतजार में रह सकते हैं। व्यापार में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

मीन किसी बात को लेकर थोड़े परेशान रह सकते हैं। वही वजह आपके आपको खुशी दे सकती है।

विशेष

दो पाँटों के बीच में फंसे थरूर

संसद का मानसून सत्र बड़ा हंगामेदार होने जा रहा है। सत्ता पक्ष ने कांग्रेस में सेंध लगाने के लिए कांग्रेस के तीन दिग्गज सांसदों को विदेश दौर में भेजकर कांग्रेस में सेंध लगाई थी। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी इस बात को समझ गई हैं। कांग्रेस के जो सांसद विदेश यात्रा पर गए थे। सोनिया गांधी ने उन्हें सरकार के खिलाफ बयान देने की जिम्मेदारी देकर सरकार के खिलाफ खड़ा कर दिया है। वह विदेश नीति पर सरकार का बचाव नहीं कर पाएंगे। शशि थरूर भाजपा की गोद में बैठ गए हैं। उन्होंने आपातकाल के खिलाफ लेख लिखा था। भाजपा और कांग्रेस की निगाहें शशि थरूर पर टिकी हुई हैं। थरूर साहब भी दो पाँटों के बीच में फंसे हुए हैं। उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिल रहा है। जो उन्होंने सोचा नहीं था, वह उनके साथ हो रहा है। सोचा था विदेश मंत्री बन जाएंगे। अब सांसद भी रहेंगे या नहीं, इसकी चिंता सता रही है।

मसूद अजहर की बली

अमेरिका और भारत के बीच में ट्रेड समझौता अपने अंतिम चरण में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के जनरल मुनीर को व्हाइट हाउस में बुलाकर लंच देकर उन्हें सम्मानित किया, भारत को नीचा दिखाया। भारत ने ऐसी स्थिति में अमेरिका के साथ डील को लेकर अपनी परेशानी बताई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकी सरगना मसूद अजहर के आतंकी संगठन पर प्रतिबंध लगाकर, भारत सरकार के घाव पर मलहम लगाकर, ट्रेड डील साइन करने का रास्ता खोला है। अब भारत के पास ट्रेड डील को साइन करने के बाद अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1655: स्वीडन नरेश चार्ल्स दसवें ने पोलैंड पर हमला किया. 1795: स्पेन ने फ्रांस से शांति संधि की. 1839: चीन और ब्रिटेन के बीच अफीम युद्ध शुरू हुआ. 1889: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शाखा लंदन में ब्रिटिश इंडिया कमेटी नाम से खुली. 1894: कोरिया ने चीन के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1933: इराक में सीरियाई ईसाईयों का संहार हुआ. 1965: उत्तर वियतनाम के प्रक्षेपास्त्र ठिकानों पर अमरीका ने हमला किया. 1972: नक्सली आंदोलन के जनक चारू मजूमदार का निधन जेल में हुआ. 1978: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने दक्षिण पश्चिम अफ्रीका की स्वतंत्रता के बारे में पश्चिमी देशों की योजना स्वीकार की. 2002: उप राष्ट्रपति कृष्णकांत का नई दिल्ली में निधन हुआ. 2002: निशानेबाज अभिनव बिन्द्रा तथा समीर आंबेकर ने 17वें राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता.

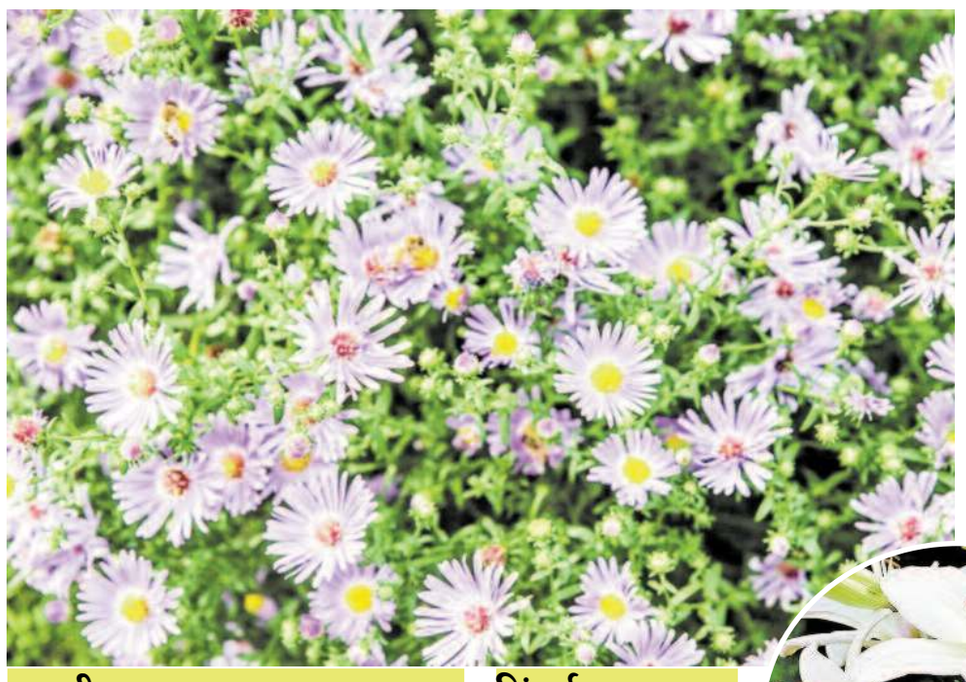
दैनिक पंचांग

27 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	09.14 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.25 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.40 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.56 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	18.01 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.48 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.20 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.51 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 ब

मनमोहक पुष्प 'एस्टर' लगायें



एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे

- माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।
- कटे पुष्पों के रूप में
- फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।
- इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।
- घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे

- माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।
- कटे पुष्पों के रूप में
- फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।
- इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।
- घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

प्रमुख किस्म

भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा विकसित किस्में –

पूर्णिमा

लोकल सफेद किस्मों की तुलना में इसके पुष्पों चमकीले सफेद होते हैं। बीज बोने के 105 दिन बाद फूल प्राप्त होते हैं। पौधों की ऊंचाई लगभग 50 सेमी. तक होता है तथा फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. होता है।

कामनी

कामनी का पुष्प गहरे रंग का होता है जो लोकल पिंक के अपेक्षा अधिक आकर्षक होता है। बीज बोने के 130–140 दिन बाद फूल प्राप्त होता है। इस किस्म का पौधा लगभग 60 सेमी ऊंचाई तक बढ़ता है। फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. एवं वजन 2 ग्राम प्रतिफूल होता है, तथा प्रति पौधा लगभग 50 फूल तक प्राप्त होता हैं। फूलों का फूलदान जीवन (वासलाइफ) लगभग 7–8 दिन का होता है।

प्रथम खेती की तैयारी के समय तथा दूसरा भाग रोपाई के 40 दिन बाद ऊपरी निवेशन (टाप ड्रेसिंग) के रूप में दी जानी चाहिए, अर्थात् पौधों के पास उर्वरक को डालकर गुड़ाई कर दें अथवा मिट्टी चढ़ा दें।

सिंचाई

एस्टर की फसल में सिंचाई की अवस्था मौसम, मिट्टी की स्थिति एवं फसल लगाने के समय पर निर्भर करता हैं चुके एस्टर एक उथली जड़ वाली फसल है अतः इसे नियमित नमी की आवश्यकता होती है अतः फसल को आवश्यकतानुसार 7 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करना चाहिए।

कटाई एवं उपज

एस्टर के फूलों की कटाई इसकी उपयोगिता पर निर्भर करता हैं फूलों की कटाई दो तरह से की जाती हैं

- सिर्फ फूलों की कटाई माला बनाने, सजावट अथवा पूजा अर्चना के कार्य के लिए किया जाता हैं
- टहनी सहित फूलों की कटाई कट फ्लावर के लिए अथवा बुके में उपयोग लाने के लिए करते हैं।

फूलों की कटाई सुबह अथवा शाम को ही करें। फूलों की कटाई के बाद छायादार स्थान में रखें। तुड़ाई के बाद फूलों को इसके आकार रंग एवं टहनी के हिसाब से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें। फूलों को जूट के वेग अथवा कपड़े में बांध कर जबकि कटफ्लावर के लिए फूलों की टहनियों को 20 की संख्या में गुच्छा बना कर बाजार में ले जाना चाहिए।

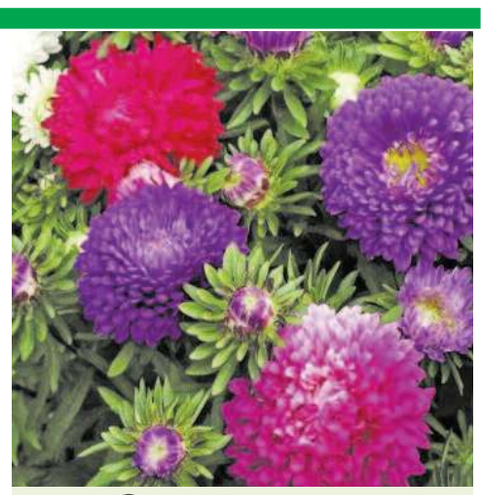
अगर उन्नत तरीके से एस्टर की खेती की जाए तो प्रति हेक्टर 180 से 200 क्विंटल तक पुष्प प्राप्त किए जा सकते हैं।



बीज संग्रहण -

एस्टर एक स्वपरागित पौधा है। इसके बीज मुख्य फसल से ही प्राप्त किया जा सकता है एवं प्रतिवर्ष बाजार से खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। अच्छे, ओजस्वी एवं स्वस्थ पौधों के चयन के बाद फूलों को कली अवस्था में ही पतले कपड़े से बांध दें। जब फूल पूरे खिल जाए एवं बीज पक जाए तो फूलों को काट कर इकट्ठा करके बीज निकाल लें। बीज को छायादार स्थान पर सुखाने के बाद अच्छी तरह साफ कर लें। बीजों को एयरटाइट डिब्बे में भर कर ठंडे स्थानों पर भंडारित करें। किस्मों के अनुसार प्रतिग्राम लगभग 450–600 बीज होते हैं।





अन्तःक्रियाएं

निराई- गुड़ाई -

फसल की प्रांरभिक अवस्था में खरपतवार से पौधों की वृद्धि पर काफी असर पड़ता है। अतः नियमित रूप से निंदाई–गुड़ाई करके खरपतवार निकालते रहें। इससे जमीन भुरभुरी बनी रहेगी तथा मिट्टी एवं जड़ों में अच्छा वायु संचार होगा एवं पौधों की अच्छी वृद्धि होगी। पौधों पर कम से कम एक माह के अंतराल पर दो बार मिट्टी चढ़ानी चाहिए। जिससे फसल की वृद्धि अच्छी होती है एवं पौधों को जमीन में अच्छा आधार मिलने से नहीं झुकते।

वृद्धि नियंत्रक

(ग्रोथ हारमोन) का उपयोग – जी.ए–3 नाम हारमोन का 200 से 300 पी.पी.एम. (पी.पी.एम. = 1 भाग दवा + 100000 भाग पानी) घोल का रोपाई के 30–40 दिन बाद छिड़काव करने से फूलों की संख्या एवं पुष्पन अवधि बढ़ जाती है। लेखक द्वारा स्वयं किए गए परीक्षण से ज्ञात हुआ कि 25 पी.पी.एम. पेक्लोब्यूट्राजाल (कुलटार) नाम वृद्धि नियंत्रक का रोपाई के 30 दिन बाद छिड़काव से पौधों में नियंत्रित वृद्धि, अधिक शाखा एवं अधिक संख्या एवं भार के पुष्प प्राप्त हुए।

सोयाबीन के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण



तना मक्खी (स्टेम फ्लाई)

क्रियता : जुलाई से अक्टूबर।
प्रकोप का समय : अंकुरण से लगभग 30 से 60 दिनों तक।

पहचान : वयस्क कीट चमकदार काले रंग की लगभग 2 मि.मी. आकार की मक्खी होती हैं। इसकी इल्ली जो तने में, सुरंग बना कर रहती है, फसल को हानि पहंचाती हैं। इसका रंग हल्का पीला एवं लम्बाई 3–4 मि.मी. होती हैं।

नियंत्रण : ■ बोवनी के समय 10 किलोग्राम फोरेट 10 जी को मिट्टी में मिलायें। जिन स्थानों पर तना मक्खी का प्रकोप अधिक होता हैं वहां फफूंदनाशक से बीज उपचारित करने के अलावा बीज को थायोमिथोक्साम 70 डब्ल्यू. एस. से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। कीट के लक्षण दिखने पर अथवा सुरक्षात्मक रूप से फसल की 7–10 दिन की अवस्था पर निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक की दर्शाई गई मात्रा को 500 ली. पानी में घोल बनाकर कोन नोजल से प्रति हेक्टर छिड़काव करें। द्य थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू जी 100 ग्राम प्रति हे. द्य ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. प्रति हे.

■ प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 800 मि. ली. प्रति हे.

सभी दवाओं के लिये 500 ली. प्रति हेक्टर पानी की मात्रा में घोल बनाकर कोन नोजल से छिड़काव करें।



चक्रभृंग (गर्डल बीटल)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर
प्रकोप का समय : फसल की 30 से 75 दिन की अवस्था।

पहचान : वयस्क कीट 8–10 मिमी. गहरे पीले रंग के होते हैं जिनके पंखों का निचला भाग काला होता हैं, इल्लियां पीले रंग की होती हैं एवं उनके शरीर पर छोटे–छोटे उभार होते हैं।

नियंत्रणः ■ घनी बोवनी न करें। प्रारंभिक अवस्था से ही कीट की निगरानी करें। यदि खेत में पौधों की ऊपरी पत्ती मुरझा रही है तो पास जाकर पत्ती के डंठल एवं तने को देखें। यदि गर्डल बीटल द्वारा बनाये गए दो चक्र दिखें तो नीचे के चक्र से एक इंच से डंठल या तने को काट कर पॉलिथिन की थैली में इकट्ठे कर खेत के बाहर जला दें अथवा गड्ढे में गाढ़कर नष्ट कर दें। ■ नत्रजन उर्वरकों का संतुलित उपयोग एवं पोटाश उर्वरक का उपयोग करने से कीट का प्रकोप कम होता है। ■ गर्मी में मोल्ड बोर्ड प्लाऊ (मिट्टी पलट हल) से गहरी जुताई करें। गहरी जुताई के पश्चात मिट्टी के बड़े ढेलों को जून के प्रथम सप्ताह में हल्का पाटा लगाकर तोड़ देना चाहिए तथा जुताई किये हुए खेत में गर्मी की धूप लगने देना चाहिए। ■ कटाई उपरांत जहां तक हो सके फसल को पक्के खलिहान में रखें ताकि यदि फसल में गर्डल बीटल का प्रकोप हो तो उसे छिपने के लिये खेत की दरारें उपलब्ध न हो। द्य बोवनी के समय फोरेट 10 जी10 कि.ग्रा.प्रति हे. की दर से मिट्टी में अवश्य मिलावें। द्य फसल पर प्रकोप दिखते ही ट्राईजोफास 40 ई.सी. की 800 मिली./हे. या प्रोफेनोफास 50 ई.सी. की 1.5 ली. /हे. को 600 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

हरी अर्द्धकुंडलक इल्ली (ग्रीन सेमीलूपर)

सक्रियता : जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त तक।

प्रकोप का समय : फसल की 35–40 दिन की अवस्था तक।

पहचानः वयस्क कीट के अग्र पंखों पर दो रुपहले धब्बे होते हैं इल्लियां पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं जिनके शरीर के पृष्ठ तल पर एक नीली लम्बवत रेखा व दोनों ओर एक–एक सफेद धारी होती हैं। खास पहचान इनके कूबड़ बनाकर चलने से होती हैं।

नियंत्रण : ■ इल्ली की प्रारंभिक अवस्था में निम्बोली के चूर्ण का 5 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

■ सोयाबीन फसल के बाहरी किनारों पर ट्रैप क्रॉप जैसे उड़द, मूंग, लोबिया इत्यादि लगाया जाना चाहिए जिससे इस कीट के प्रकोप की दशा में इन्हीं फसलों पर उसका दबाव रहेगा और मुख्य फसल पर दबाव कम रहेगा।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ही निम्नलिखित में से किसी एक दवा का छिड़काव करने से कीट का नियंत्रण हो सकता हैं, अतः इस कीट के नियंत्रण हेतु कीट के आक्रमण के शुरू में ही छिड़काव करना चाहिए क्योंकि कीट की बड़ी अवस्था में कीटनाशक दवाओं का असर कम होता हैं अतः कीट का नियंत्रण नहीं हो पाता हैं।

■ क्विनालफास 25 ई.सी. (1.5 लीटर/हे.) या ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. /हेक्टेयर या प्रोफेनाफास 50 ई.सी. 1 ली./हे. या मिथोमिल 40 एस.पी. 1 किलोग्राम/हे. को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें।

तम्बाकू की इल्ली (टोबैको कैटरपिलर)

सक्रियता : अगस्त से सितम्बर (इस कीट का आक्रमण अगस्त माह में अधिक देखा गया है)।

प्रकोप का समय : फसल की 40–75 दिन की अवस्था तक।

पहचान : वयस्क पतंगों के अगले पंख सुनहरे भूरे रंग के सफेद धारियां लिए होते हैं, पिछले पंखों पर भूरे रंग की शिराएं होती हैं इल्लियां मटमैले हरे रंग की होती हैं, जिनके शरीर पर पीले, हरे, नारंगी, रंग की लम्बवत धारियां होती हैं एवं उदर के प्रत्येक खंड के दोनों ओर काले धब्बे होते हैं।

नियंत्रण : ■ समेकित कीट प्रबंधन अपनायें व खेतों के आस–पास प्रकाश–प्रपंच, फैरोमेन ट्रेप स्थापित कर लगातार मॉनीटरिंग करके वयस्क कीटों को एकत्रित कर उन्हें नष्ट करें।

■ इल्लियां शुरू की छोटी अवस्था में खेत से ऐसी पत्तियों को तोड़कर नष्ट करने से प्रकोप कम किया जा सकता हैं।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मिली/ हे. या क्विनालफास 25 ई.सी. 1.5 ली. प्रति हेक्टेयर को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।



8 साल में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ने दिया 250 प्रतिशत का रिटर्न

निवेशकों को किया मालामाल



नईदिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से जारी किए जाने वाले सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी किस्त की रिडेम्पशन प्राइस जारी को कर दिया गया है। आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2017-18 सीरीज के लिए रिडेम्पशन प्राइस 9924 प्रति ग्राम तय किया है। यह सीरीज 28 जुलाई 2025 को मैच्योर हुआ था। बीते 8 साल में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ने 250.67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसमें 2.5 प्रतिशत का ब्याज (सेमी एनुअली भुगतान होता था) शामिल नहीं है। बता दें, यह रिडेम्पशन प्राइस 21 जुलाई से 25 जुलाई के बीच इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिशिएन का औसत दाम है।

2017 में जारी हुआ था सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की यह सीरीज- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जुलाई 2017 में जारी किया गया था। तब कीमत 2830 प्रति ग्राम था। वहीं, डिजिटल एप्लिकेशन वाले निवेशकों को 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट मिली थी। बता दें, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न के साथ-साथ कई सुविधाएं दी हैं। निवेशकों को मैच्योरिटी के वक्त पर टैक्स में छूट मिलती है। साथ ही यह गोल्ड बॉन्ड फिक्सड रिटर्न की भी गारंटी लेता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के क्या फायदे हैं

आज के समय में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड फिजिकल बॉन्ड का एक विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के साथ शुद्धता और उसके स्टोरेज की भी चिंता नहीं करनी होती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को निवेश के 5 साल के बाद रिडेम्पशन करवाया जा सकता है। वहीं, सेकेंड्री मार्केट में इसे ट्रेड किया जा सकता है।
सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जहां निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है। वहीं सरकार भी फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को बढ़ावा देना चाह रही है। इससे सरकार पर एक्सपोर्ट का दबाव घटेगा। बता दें, सरकार ने डिजिटल तरीके से सॉवरेन गोल्ड में निवेश करने वाले इंवेस्टर्स को 50 प्रति ग्राम की छूट मिलती है।

अमेरिका ने लगाया बैन तो तस्करों ने कर दिया यह कारनामा!

चीन को कैसे बेचे 1 अरब डॉलर के एआई चिप



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से चिप निर्यात पर नियंत्रण कड़ा करने के बाद तीन महीनों में तस्करों ने कम से कम 1 अरब डॉलर के एनवीडिया के उन्नत एआई चिप्स चीन को बेच दिए। माना जा रहा है कि यह तस्करी थाईलैंड के रास्ते की गई। फाइनेंशियल टाइम्स ने गुरुवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एनवीडिया के उच्च-स्तरीय बी200 प्रोसेसर, जिनकी चीन में बिक्री पर प्रतिबंध है, वहां के काला बाजार में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। रिपोर्ट्स में बिक्री अनुबंधों, कंपनी के दस्तावेजों और सौदों की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले कई लोगों के हवाले से यह दावा किया गया है।

उधर, तस्करी की खबरों के बाद दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया ने डेटा केंद्रों में अनधिकृत चिप्स के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। तस्करी की खबरों के बाद कंपनी ने बयान जारी कर कहा है कि अवैध तरीके से ऐसे चिप्स खरीदना तकनीकी और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से घाटे का सौदा है। एनवीडिया ने कहा है कि डेटासेंटरों को सर्विस की जरूरत होती है, जो हम केवल अधिकृत एनवीडिया उत्पादों को ही प्रदान करते हैं। वहीं, अमेरिकी वाणिज्य विभाग, व्हाइट हाउस और थाई सरकार ने इस मामले में फिलहाल टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, मई में चीन के कई वितरकों ने चीन के एआई समूहों को सेवा देने वाले वाले डेटा केंद्रों के आपूर्तिकर्ताओं को ब्200ह्य बेचना शुरू कर दिया था।

4 कंपनियां ट्रेड करेंगी इस हफ्ते एक्स-बोनस

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस हफ्ते 4 कंपनियां एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रही हैं। इन कंपनियों की लिस्ट में एक पेनी स्टॉक भी है। आइए जानते हैं कि कौन सी कंपनी निवेशकों को कितना बोनस शेयर दे रही है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इन कंपनियों के विषय में -

मुराए ऑर्गनाइजर लिमिटेड- एक रुपये से कम



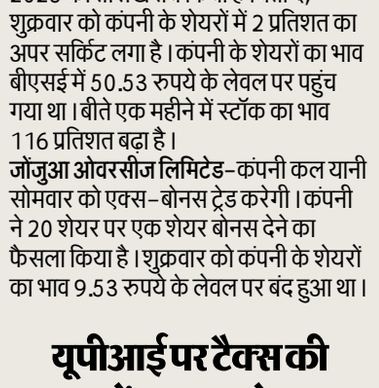
की कीमत वाला यह स्टॉक एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। बता दें, बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

एबेट ऐज़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड- कंपनी पहली बार बोनस शेयर दे रही है। एबेट ऐज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। इस बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 31 जुलाई 2025 की तारीख तय किया है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 2 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 50.53 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बीते एक महीने में स्टॉक का भाव 116 प्रतिशत बढ़ा है।

जोंजुआ ओवरसीज लिमिटेड- कंपनी कल यानी सोमवार को एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने 20 शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 9.53 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

यूपीआई पर टैक्स की अटकलें, सरकार ने अपना इरादा साफ-साफ बता दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगने की अटकलें तेज थीं। इससे आम लोगों और दुकानदारों में काफी कन्फ्यूजन था। खासकर कर्नाटक में कुछ दुकानदारों को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) ट्रांजैक्शन डेटा के आधार पर जीएसटी डिमांड नोटिस मिलने के बाद ये अटकलें और तेज हो गईं थीं। अब केंद्र सरकार ने इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।



उसने इस मामले पर अपना रुख पूरी तरह से साफ कर दिया है। सरकार ने साफ किया है कि वह 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने की कोई योजना नहीं बना रही है। वित्त मंत्रालय ने राज्यसभा में यह जानकारी दी। उसने बताया कि जीएसटी काउंसिल की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

सरकार ने दी ये जानकारी

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा के मॉनसून सत्र में एक सवाल का जवाब देते हुए बताया कि जीएसटी दरें और छूट जीएसटी काउंसिल तय करती है। इसमें केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सदस्य शामिल होते हैं। यह स्पष्टीकरण तब आया है जब कर्नाटक में कुछ छोटे दुकानदारों को यूपीआई लेनदेन डेटा के आधार पर लगभग 6,000 जीएटी डिमांड नोटिस मिले थे।

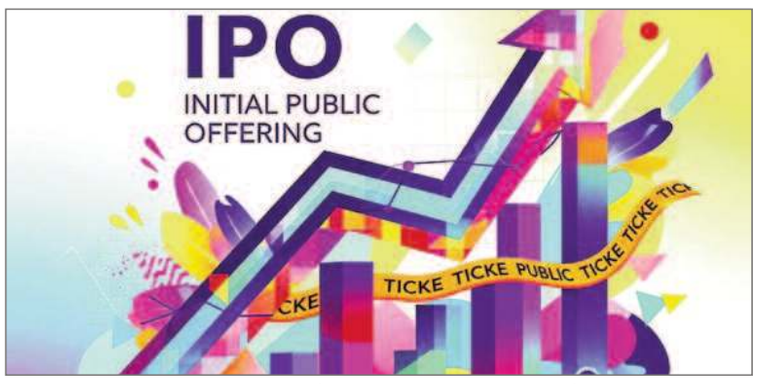
7300 करोड है साइज

14 कंपनियों के आईपीओ इस हफ्ते हो रहे ओपन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ के लिहाज से यह हफ्ता काफी बड़ा रहने वाला है। निवेशकों को एक साथ 14 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका इस हफ्ते मिलेगा। प्राइमरी मार्केट से ये कंपनियां 7300 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। इसमें कई मेनबोर्ड आईपीओ भी हैं। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में ...

मेनबोर्ड कंपनियां

- **लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड** - कंपनी का आईपीओ निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुल जाएगा। यह मेनबोर्ड आईपीओ 31 जुलाई तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का साइज 254.26 करोड़ रुपये है। बता दें, लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड का प्राइस बैंड 150 रुपये से 158 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। वहीं, 94 शेयरों का एक लॉट साइज तय किया है। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 13 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।
- **आदित्य इंफोटेक लिमिटेड** -यह आईपीओ 29 जुलाई को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 31 जुलाई तक ओपन रहेगा। कंपनी के आईपीओ का साइज 1300 करोड़ रुपये है। आदित्य इंफोटेक लिमिटेड का प्राइस बैंड 640 रुपये से 675 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। बता दें, ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 210 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।



- **श्री लोटस डेवलपर्स** -कंपनी ने 140 रुपये से 150 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, 100 शेयरों का एक लॉट बनाया है। यह मेनबोर्ड आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त तक ओपन रहेगा। बता दें, इस आईपीओ का जीएमपी 32 रुपये है।
- **एम एंड बी इंजीनियरिंग लिमिटेड-** कंपनी के आईपीओ का साइज 650 करोड़ रुपये है। आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा। निवेशकों के पास 1 अगस्त तक दांव लगाने का मौका रहेगा। कंपनी ने 366 रुपये से 385 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड निर्धारित किया है। बता दें, जीएमपी 50 रुपये आज चल रहा है।
- **5- एनएसडीएल आईपीओ** - निवेशकों को लम्बे समय से इस आईपीओ का इंतजार था। आईपीओ 30 जुलाई को खुल जाएगा। वहीं, 1 अगस्त तक दांव लगाने का मौका निवेशकों के पास रहेगा। कंपनी ने 760 रुपये से 800 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। बता दें, ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 136 रुपये के प्रीमियम पर आज बिक रहा है।
- **रेपोनो लिमिटेड-**आईपीओ 28 जुलाई यानी कल खुल जाएगा। निवेशक 30 जुलाई तक इस आईपीओ को खरीद पाएंगे। कंपनी ने 91 रुपये से 96 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड निर्धारित किया है। वहीं, 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ 21 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है।
- **उमिया मोबाइल आईपीओ-**कल यानी 28 जुलाई को यह आईपीओ भी ओपन हो जाएगा। कंपनी ने 66 रुपये आईपीओ के लिए प्राइस बैंड तय किया है। बता दें, निवेशकों के पास 30 जुलाई तक दांव लगाने का मौका रहेगा।
- **केटेक्स फैब्रिक्स आईपीओ-**इस आईपीओ का साइज 69.81 करोड़ रुपये रहा है।

बी.डी. इंडस्ट्रीज आईपीओ

यह एसएमई आईपीओ 30 जुलाई को ओपन होगा। निवेशकों के पास 1 अगस्त तक दांव लगाने का समय रहेगा। कंपनी ने 102 रुपये से 108 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है।

मेहुल कलर्स लिमिटेड -यह एसएमई सेगमेंट का आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा। और 1 अगस्त तक निवेशकों को दांव लगाने का मौका रहेगा। कंपनी ने 68 रुपये से 72 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया गया है। कंपनी ने 1600 शेयरों का एक लॉट बनाया है।

टाक्योन नेटवर्क्स आईपीओ-कंपनी ने 51 रुपये से 54 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, 2000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। आईपीओ 30 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 1 अगस्त तक दांव लगाने के लिए ओपन रहेगा।

कैश यूआर ड्राइव मार्केटिंग आईपीओ-कंपनी ने आईपीओ के लिए 123 रुपये से 130 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 1000 शेयरों का है। आईपीओ 31 जुलाई को खुलेगा। रिटेल निवेशकों के पास 4 अगस्त तक दांव लगाने का समय रहेगा।

भारत की शर्तों पर हुआ ब्रिटेन से समझौता

गोयल बोले- कई क्षेत्रों में अब भी बंद हैं यूके के लिए दरवाजे



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। व्यापार एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को भारत के किसानों, व्यापारियों, एमएसएमई क्षेत्रों, युवाओं और मछुआरों के लिए परिवर्तनकारी बताया।

गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि अब तक हस्ताक्षरित सभी एफटीए में से भारत-ब्रिटेन एफटीए सबसे बड़ा, सबसे व्यापक और सबसे महत्वपूर्ण है। यह अब तक का व्यापक समझौता है, जिसमें 30 अध्याय शामिल हैं। मुझे याद नहीं आता कि किसी अन्य एफटीए में इतने सारे अध्याय हों। गोयल ने कहा, भारत में कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। अब इस समझौते को ब्रिटेन में संसदीय मंजूरी की प्रतीक्षा है। इसके लागू होने पर, 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त पहुंच सकेंगे, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है।

कई क्षेत्रों में अब भी बंद हैं ब्रिटेन के लिए दरवाजे

गोयल ने कहा, कुछ गलत धारणाएं फैली हैं, जिन्हें मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। हमने भारत के सभी संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा की है। हर देश के कुछ क्षेत्र होते हैं जो संवेदनशील होते हैं, और वन साइज फिट्स ऑल का सिद्धांत यहां लागू नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, हमने डेयरी, चावल और चीनी जैसे क्षेत्रों को ब्रिटेन के लिए नहीं खोला है। उन्होंने कहा, यह समझौता निवेश को भी प्रोत्साहित करेगा। भारत- ब्रिटेन के लिए टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में साझेदार बन सकता है।

कोटक महिंद्रा बैंक ने जारी किए तिमाही नतीजे

क्यू1 में 3282 करोड़ का नेट प्रॉफिट, सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर



नईदिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। बैंक की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 3282 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 7 प्रतिशत कम हुआ है। एक साल पहले इसी तिमाही में कोटक महिंद्रा बैंक का नेट प्रॉफिट 3520 करोड़ रुपये रहा था।

एनआईएम में इजाफा- बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम जून तिमाही के दौरान 7259 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर एनआईआई में 7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, एनआईएम में 4.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कॉस्ट टू इनकम रेशियो 46.19 प्रतिशत रहा है। वहीं, रिटर्न ऑन इक्विटी 10.94 प्रतिशत रहा है। बीते वर्ष की पहली तिमाही में यह 13.91 प्रतिशत रहा था। ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट 1.48 प्रतिशत रहा है। बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 1.39 प्रतिशत रहा था। नेट एनपीए की बात करें तो यह 0.34 प्रतिशथ रहा है। बता दें, कस्टमर एसेट 13 प्रतिशत के इजाफे के साथ 4,92,972 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, नेट एंडवांस 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद 4,44,823 करोड़ रुपये रहा है।

- **रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के शेयरों को खरीदने की सलाह दे रहे 3-3 एक्सपर्ट्स**

क्यू1 में 4466 करोड़ रहा नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से 24 जुलाई को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा किया है। कंपनी ने बताया है कि नेट प्रॉफिट में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी सालाना आधार पर हुई है। आइए जानते हैं कि मौजूदा समय में इस कंपनी पर दांव लगाना सही रहेगा या नहीं

रेवन्यू भी बढ़ा- आरईसी ने बताया है कि अप्रैल से जुलाई 2025 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 4466 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 29 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले इसी तिमाही में आरईसी का नेट प्रॉफिट 3460 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू की बात करें तो सालाना आधार पर यह 13 प्रतिशत बढ़ा है। महारत्न कंपनी का कुल रेवन्यू जून क्वार्टर में 14737 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 13079 करोड़ रुपये रहा था।

डिविडेंड का ऐलान-कंपनी ने तिमाही नतीजों के साथ ही डिविडेंड का भी ऐलान किया है। इस पीएसयू ने 4.60 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 1 अगस्त 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

क्या दांव लगाना रहेगा सही

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज मॉर्गन स्टेनली ने इस स्टॉक को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से 485 रुपये का टारगेट प्राइस दिया गया है। सीएलएसए ने 525 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। वहीं, ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने ब्ब्ह्य कॉल दिया है। इस ब्रोकरेज हाउस ने 550 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

कभी स्कूल ट्रिप पर जाने के लिए नहीं थे पैसे

आज संभाल रही हैं 18.8 बिलियन की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल की दिव्या सूर्यदेवरा अमेरिका में यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप की कंपनी ऑप्टम इनसाइट एंड फाइनेंशियल की सीईओ हैं। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली दिव्या आज 18.8 अरब डॉलर की कंपनी चला रही हैं। उनके लिए यहां तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। बचपन में ही उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। सिंडिकेट बैंक में काम करने वाली उनकी मां ने नौकरी के साथ-साथ तीन बच्चों की परवरिश की। दिव्या ने अपनी मेहनत और लगन से जो मुकाम हासिल किया, उसकी मिसाल कम ही देखने को मिलती है। उनकी सफलता देश और दुनिया के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा है।

42 साल की दिव्या का जन्म तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। उनकी परवरिश उनकी मां ने की, जो सिंडिकेट बैंक में काम करती थीं। दिव्या ने मद्रास यूनिवर्सिटी से बिजनेस, फाइनेंस और इकनॉमिक्स में डिग्री हासिल की है। इसके बाद उन्होंने सीएफए और सीए की डिग्री ली। 22 साल की उम्र में उन्होंने अमेरिका का रुख किया और वहां हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए किया।

कितनी है नेटवर्थ



दिव्या ने अपने करियर की शुरुआत पी2सी से की और बाद में उन्होंने वर्ल्ड बैंक के साथ इंटर्नशिप की। इसके बाद वह यूबीएस इन्वेस्टमेंट बैंक में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में शामिल हुईं। साल 2005 में उन्होंने अमेरिका की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी जनरल मोटर्स को जॉइन किया। इस कंपनी उनका कार्यकाल सबसे लंबा रहा। वहां उन्होंने 16 साल तक काम किया। इस दौरान वह सीनियर फाइनेंशियल एनालिस्ट से लेकर चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर तक के पद पर पहुंचीं। 2018 में उन्हें सीएफओ बनाया गया। वह जनरल मोटर्स के 110 साल के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला बनीं। इसके बाद दिव्या ने मल्टीनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज एंड सॉफ्टवेयर कंपनी स्ट्राइप का रुख किया जहां उन्हें सीएफओ बनाया गया। मार्च 2024 में दिव्या ऑप्टम इनसाइट एंड फाइनेंशियल को बतौर सीईओ जॉइन किया।

शिक्षा का महत्व

एक इंटरव्यू में दिव्या ने कहा, मेरी मां को अकेले ही तीन बच्चों की परवरिश करनी पड़ी। खासकर भारत में ऐसा करना मुश्किल है। उन्होंने हमारी शिक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्हें हमसे काफी उम्मीदें थीं और इसी बात ने हमें बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। हमने सीखा कि कुछ भी आसानी से नहीं मिलता है। आपको जो चाहिए उसे पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होती है। अमेरिका जाने के अपने अनुभव के बारे में उन्होंने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं घर से बहुत दूर थी और निश्चित रूप से यह मेरे लिए एक कल्चरल शॉक था। उस समय मेरे पास ज्यादा पैसे भी नहीं थे। मैं कॉलेज ट्रिप पर जाना अफोर्ड नहीं कर सकती थीं। सब कुछ स्टूडेंट लोन से फंड किया गया था जिसे मुझे चुकाना था। ऐसे स्थिति में आप पर नौकरी खोजने के लिए एक अलग तरह का दबाव होता है।

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय



नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड), एजेंसी। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

डीसी ओपन टेनिसः

लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया फाइनल में, राडुकानू और रिबाकिना हारीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।



फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं। लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं। पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत चौथे वरीय बेन शेल्टन और 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी।



इस क्रिकेटर का कब होगा डेब्यू?

2021 में हुए टीम इंडिया में शामिल, तब से 16 प्लेयर कर चुके करियर शुरू

अभिमन्यु इस टीम के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेट

अभिमन्यु ईश्वरन का जन्म 6 सितंबर, 1995 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था. अभिमन्यु घरेलू क्रिकेट में अपने घरेलू राज्य की बजाय बंगाल टीम के लिए खेलते हैं. उनके पिता आरपी ईश्वरन ने कई साल पहले पुरकुल गांव में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की थी. इसी एकेडमी में अभिमन्यु ने क्रिकेट के गुर सीखे थे. अभिमन्यु ईश्वरन का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा है. अभिमन्यु ने अब तक 103 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें उन्होंने 48.70 की औसत से 7841 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 31 अर्धशतक निकले. इस खिलाड़ी ने 89 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 47.03 की औसत से 3857 रन बनाए. लिस्ट-ए क्रिकेट में अभिमन्यु ने 9 शतक और 23 अर्धशतक लगाए. अभिमन्यु ने 34 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 37.53 के एवरेज से 973 रन दर्ज हैं. टी20 क्रिकेट में अभिमन्यु के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले. अभिमन्यु ईश्वरन ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबलों में इंडिया-ए की कप्तानी की थी. दोनों ही फर्स्ट क्लास मैचों में अभिमन्यु अर्धशतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे थे ।

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का भारतीय टीम के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है. अभिमन्यु का ये इंतजार चार साल का हो चुका है. अभिमन्यु साल 2021 में पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए थे और इंग्लैंड दौरे पर गए. लेकिन तब रोहित शर्मा और केएल राहुल ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला. अब रोहित शर्मा टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, फिर भी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अभिमन्यु ईश्वरन अब तक बेंच पर ही बैठे हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु भारतीय टीम के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे, लेकिन वो पांचों टेस्ट मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए. इन चार सालों में 16 नए खिलाड़ियों ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, लेकिन अभिमन्यु ईश्वरन का इंतजार खत्म नहीं हुआ है. इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर मैच में तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भी डेब्यू करने में कामयाब रहे, जो चंद दिनों पहले ही टीम से जुड़े थे. अंशुल के अलावा श्रेयस अय्यर, केएस भरत, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और साई सुदर्शन भी इस पीरियड में अपना टेस्ट डेब्यू करने में सफल रहे.

कब खत्म होगा अभिमन्यु का इंतजार?

टीम मैनेजमेंट का मानना है कि बल्लेबाजों को नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रदर्शन के आधार पर परखा जाता है. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों को फेस करते समय बल्लेबाजों की तकनीक की परीक्षा होती है. ऐसा लगता है कि अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय टीम मैनेजमेंट को प्रभावित नहीं कर पाए. 29 साल के अभिमन्यु के पास अब भी वक्त है, लेकिन इतना लंबा इंतजार एक क्रिकेट के लिए मनोबल गिराने वाला होता है..



टीम इंडिया से बाहर होते ही नीतीश रेड्डी पर केस दर्ज



करोड़ों की धांधली का लगा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट लगने की वजह से इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं. इस झटके से अभी वो उबर भी नहीं पाए थे कि उनको एक और बड़ा झटका लगा है. उन पर 5 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया भुगतान नहीं करने का आरोप लगा है. इस मामले में उन पर केस दर्ज कर लिया गया है. उन पर ये आरोप बेंगलुरु स्थित टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी स्क्वायर द वन ने लगाया. इस दौरान उसने याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट में होगी. नीतीश रेड्डी को इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान चोटिल होने पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. अब वो एक नई मुसीबत में फंस गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक नीतीश रेड्डी और उनकी पूर्व मैनेजमेंट एजेंसी स्क्वायर द वन के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. इसके बाद टीम इंडिया के इस ऑलराउंडर ने टीम के एक क्रिकेटर की मदद से एक नए मैनजमेंट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट कर लिया, जबकि स्क्वायर द वन से नीतीश का 3 साल का करार था. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले को लेकर स्क्वायर द वन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक शिव धवन ने नीतीश रेड्डी पर समझौते का उल्लंघन करने और बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर कर दी ।

एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी...

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू से लेकर बाबर आजम को पछाड़ने तक की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है. 8 टीमों के बीच ये टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर के बीच,श्र में खेला जाएगा. एशिया कप से ही 14 साल की क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने भी व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की जर्सी पहनी



थी. हालांकि, वो एशिया कप सीनियर टीम का नहीं बल्कि अंडर 19 टीम का था, जिसका आयोजन भी पिछले साल,श्र में ही हुआ था. वैभव सूर्यवंशी ने उस अंडर 19 एशिया कप में ना सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था, बल्कि टूर्नामेंट में इतने रन और इतने छक्के ठोक डाले थे कि बाबर आजम तक को पछाड़ डाला था. 30 नवंबर, 2024. ये वही तारीख है जिस दिन व्हाइट बॉल क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. उन्होंने अपना पहला मैच अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. हालांकि, अंडर 19 एशिया कप की अपनी डेब्यू इनिंग में वो 1 रन से ज्यादा नहीं बना पाए थे. पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू तो अच्छा नहीं रहा मगर आगे वो ना सिर्फ उस टूर्नामेंट में भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज बनकर उभरे बल्कि अपना पहला ही अंडर 19 एशिया कप खेलते हुए बाबर आजम को भी पीछे छोड़ दिया.

वैभव सूर्यवंशी का 19 एशिया कप में रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 एशिया कप 2024 में फाइनल को मिलाकर कुल 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 44 की औसत और 145.45 की स्ट्राइक रेट से 2 अर्धशतक के साथ 176 रन बनाए. इसमें उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 76 रन का रहा. अंडर 19 एशिया कप 2024 में वैभव सूर्यवंशी ने 14 चौके और 12 छक्के लगाए थे.

बाबर आजम को वैभव सूर्यवंशी ने पछाड़ा - पाकिस्तान के बाबर आजम ने भी साल 2012 के अंडर 19 एशिया कप में 5 मैच खेले थे, जहां उन्होंने 32.60 की औसत और 69.36 की स्ट्राइक रेट से 1 अर्धशतक के साथ 163 रन बनाए थे. उनका बेस्ट स्कोर 68 रन का रहा था. बाबर आजम ने अंडर 19 एशिया कप 2012 में 20 चौके और 1 छक्का लगाया था. मतलब वैभव सूर्यवंशी ने बाबर आजम से सिर्फ 13 रन ही ज्यादा नहीं बनाए हैं बल्कि उनसे 11 छक्के भी ज्यादा जमाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर एशिया कप का रिकॉर्ड - अंडर 19 एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 840 रन बनाने का रिकॉर्ड भी पाकिस्तान के समी असलम के नाम है. उन्होंने ये रन 2012 और 2014 के एशिया कप को मिलाकर खेले कुल 10 मैचों में 93.33 की औसत से 4 शतक और 4 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल है. यानी, पाकिस्तान के समी असलम के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए फिलहाल उनके पास पूरा मौका है.

WWE में आएगी इन रेसलर्स की शामत

ब्रॉक लेसनर वापसी पर मचाएंगे तबाही

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रॉक लेसनर जब तक आधिकारिक तौर पर रिटायर नहीं हो जाते, तब तक डब्ल्यूडब्ल्यूई में उनकी वापसी की चर्चा हमेशा बनी रहेगी। विंस मैकमैहन के वे पसंदीदा थे और उन्होंने पार्ट-टाइम प्रदर्शन करते हुए कई टाइटल जीते। पिछले छह सालों में द बीस्ट के नाम से मशहूर ब्रॉक लेसनर ने मनी इन द बैंक लैडर मैच, एलिमिनेशन चैंबर मैच और रॉयल रंबल जीता है। अपनी उपलब्धियों के बावजूद, उन्होंने दो साल पहले समरस्लैम में कोडी रोड्स के साथ हुए मैच के बाद से रेसलिंग नहीं की है। लेसनर अभी भी अच्छी शेप में हैं और उनके सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ब्रॉक लेसनर वापसी करते ही किसके खिलाफ मुकाबला कर सकते हैं।

1. गुंथर

गुंथर लेसनर की शारीरिक क्षमता से टक्कर ले सकते हैं। लेसनर और गुंथर 2023 रॉयल रंबल के दौरान एक-दूसरे के सामने आए थे। उस समय दर्शकों ने इस टकराव को देखकर खूब तालियां बजाई थीं। अगर ब्रॉक लेसनर एक्शन में लौटते हैं और अच्छी शेप में रहते हैं, तो गुंथर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी होंगे। चाहे



उनके पास वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप हो या न हो।

2. कोडी रोड्स

कोडी रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रॉक लेसनर से रेसलिंग की थी। ब्रॉक लेसनर ने दो साल पहले कोडी रोड्स से हारने के बाद उन्हें समर्थन दिया था। कोडी रोड्स आखिरी बार ब्रॉक लेसनर के सामने डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में खड़े थे। समरस्लैम 2023 में उनके मुकाबले के बाद ब्रॉक लेसनर ने रोड्स का हाथ जीत के लिए ऊपर उठाया था। कोडी रोड्स ने लेसनर के कई दुश्मनों से लड़ाई की है, जिनमें रोमन रेंस और जॉन सीना शामिल हैं। चूंकि रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिनसे उनका सामना हुआ था, इसलिए वापसी करके कोडी को टारगेट करना बनता है।

3. ब्रॉक लेसनर

लेसनर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी पहली वापसी में जॉन सीना को टारगेट किया था। लेसनर की डब्ल्यूडब्ल्यूई में पहली बड़ी वापसी 2012 में हुई थी। उन्होंने उस समय के चैंपियन जॉन सीना पर हमला किया था। ब्रॉक लेसनर की यह वापसी लगभग एक दशक के बाद कंपनी में पहली उपस्थिति थी। सीना अपने रिटायरमेंट टूर पर हैं और उन्होंने अपने अतीत के कई नामों का सामना किया है। सीएम पंक, कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन ने 2025 में जॉन सीना का विरोध किया है। चूंकि लेसनर सीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक थे, इसलिए दोनों के लिए एक और मुकाबला करना बनता है।

दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए, कभी हां, कभी ना एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने लंबे समय से विवादों और बहसों में घिरे एशिया कप के कार्यक्रम पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला संभवतः एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। एसीसी द्वारा शनिवार को घोषित विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह घोषणा भारतीय चैंपियंस टीम से जुड़े एक बेहद संवेदनशील प्रकरण के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ निर्धारित मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया था। कनेरिया ने कहा, (दोनों देशों के बीच) क्रिकेट होना चाहिए... लोग इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में एक घटना हुई थी जहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भारत-पाकिस्तान का मैच होना था, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मैच का बहिष्कार कर दिया। इस कदम से संकेत मिला कि शायद भारत भविष्य में एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा। इस बहिष्कार ने सुर्खियां बटोरीं और इसके बाद कई बयान आए, जिससे यह धारणा बनी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने कहा, लेकिन फिर एक ऑनलाइन बैठक हुई जिसमें पीसीबी अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी और बीसीसीआई के प्रतिनिधि मौजूद थे। एसीसी को बीसीसीआई से हरी झंडी मिल गई होगी, इसीलिए भारत-पाकिस्तान मैच निर्धारित किया गया। कनेरिया का मानना है कि बीसीसीआई को इतने बड़े मुकाबले के लिए हामी भरने से पहले और समय लेना चाहिए था और शीर्ष नेतृत्व से सलाह लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बीसीसीआई को इस पर और विचार करना चाहिए था और कोई फैसला लेने से पहले समय लेना चाहिए था। दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए - कभी हां, कभी ना। कनेरिया ने कहा, अगर आप देशभक्ति की बात कर रहे हैं, तो आपको उस पर लगातार कायम रहना होगा। अभी से लेकर उस मैच वाले दिन तक, आप देखेंगे कि प्रचार और हंगामा बढ़ता ही जाएगा। और फिर लोग क्रिकेटरों के पहले के रुख पर सवाल उठाने लगेंगे। उन्होंने कहा, या तो साफ कह दीजिए कि खेल और राजनीति अलग-अलग हैं, या फिर हर मोर्चे पर अपना रुख मजबूत बनाए रखिए। कोई दोहरा मापदंड नहीं। अगर ना है, तो ना ही रहने दीजिए। अगर हां है, तो हां कह दीजिए और उस पर अड़े रहिए।



कनेरिया ने कहा कि किसी टूर्नामेंट में भारत की अनुपस्थिति हर चीज को प्रभावित करती है - टीवी अधिकारों और प्रायोजनों से लेकर वैश्विक दर्शकों तक। उन्होंने कहा, %आखिरकार, बीसीसीआई को इससे क्या फर्क पड़ता है? वे क्रिकेट से होने वाले राजस्व का लगभग 99 प्रतिशत कमाते हैं। शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देश - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड - सभी भारत के साथ खेलना चाहते हैं क्योंकि उनके खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे आकर्षक लीग है। मान लीजिए- अगर भारत भाग नहीं लेता है, तो टीवी अधिकार नहीं बिकते, विज्ञापन कम हो जाते हैं, और दर्शकों की संख्या कम हो जाती है। सिर्फ एक भारत-पाकिस्तान मैच ही दर्शकों की संख्या में भारी वृद्धि कर देता है।

उन्होंने अंत में कहा कि बीसीसीआई को एक पारदर्शी और सुसंगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप सत्ता में होते हैं, तो आपको यह समझने और परिभाषित करने में सक्षम होना चाहिए - या तो क्रिकेट अलग है, या नहीं। अगर देशभक्ति मायने रखती है, तो यह सुसंगत होनी चाहिए। एक दिन के लिए नहीं, एक हफ्ते के लिए नहीं, बल्कि हमेशा। आप हर कुछ हफ्तों में अपना रुख नहीं बदल सकते। एक बार फैसला हो जाने के बाद उस पर अडिग रहें। यही बात मुझे समझ नहीं आई - यह फैसला इतनी जल्दी क्यों लिया गया?

हुमा कुरैशी होंगी खोसला का घोसला 2 में लीड एक्ट्रेस?

2026 में इस त्योहार पर होगी रिलीज

फिल्म खोसला का घोसला के सीक्वल को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह तय हो गया है कि इस फिल्म में लीड रोल में कौन होगा।

साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म खोसला का घोसला बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट रही थी। दिबाकर बैनर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, विजय पाठक, रणवीर शौरी और प्रवीण डबास ने अहम भूमिका निभाई थी। डार्क कॉमेडी वाली यह फिल्म कल्ट बन गई थी। बताया जाता है कि अब इस फिल्म का सीक्वल बनेगा।

खोसला का घोसला 2 की स्क्रिप्ट तैयार हुई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्देशक उमेश बिष्ट और उनकी टीम ने एक स्क्रिप्ट तैयार की है जो खोसला का घोसला को आगे बढ़ाएगी। खबर यह भी है कि स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है और फिल्म के लिए कास्टिंग शुरू हो गई है।

हुमा कुरैशी होंगी खोसला का घोसला 2 का हिस्सा

बताया जाता है कि हुमा कुरैशी खोसला का घोसला 2 में अहम किरदार निभाएंगी। उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी है और उन्हें इसकी कहानी पसंद आई है। इस तरह से हुमा कुरैशी के हाथ में अब दूसरी फिल्म है।

पहले से ही हुमा कुरैशी जॉली एलएलबी 3 में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा हुमा महारानी के चौथे सीजन में काम करेंगी।

हुमा कुरैशी टॉक्सिक में काम कर रही हैं

इन सब के अलावा हुमा कुरैशी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल ईद (2026) पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और अक्षय ओबेरॉय होंगे।

दर्शकों को खोसला का घोसला 2 से उम्मीदें

बताया जाता है कि खोसला का घोसला 2 की टीम इस साल नवंबर से फिल्म पर काम शुरू कर सकती है। चूंकि फिल्म 2026 में रिलीज होगी, इसलिए मेकर्स के पास इस पर काम करने का अच्छा वक्त होगा। पहले पार्ट की तरह इस फिल्म से भी काफी उम्मीदें हैं।



➤ कॉमेडी की दुनिया का मशहूर चेहरा और अपनी हाजिरजवाबी से दर्शकों का दिल जीतने वालीं भारती सिंह पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। वजह है- उनके दूसरे बच्चे को लेकर चल रही अफवाहें।

दूसरी बार मां बनने जा रहीं भारती ?

सोशल मीडिया पर ये चर्चा गर्म थी कि गोला यानी उनके बेटे लक्ष्य के बाद अब वो जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। अब खुद भारती ने इस पर मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। कढ़ी-चावल खाए थे, बस पेट दिख गया!

भारती सिंह ने जूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में उन अफवाहों पर खुलकर बात की जिनमें दावा किया जा रहा था कि वो दोबारा मां बनने वाली हैं। अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में उन्होंने कहा, अरे उस दिन मैंने कढ़ी-चावल खा लिए थे, थोड़ा पेट निकल आया, तो लोगों को लगने लगा मैं प्रेग्नेंट हूं। उन्होंने साथ ही ये भी कहा कि वो लाफ्टर शेफ्स 2 जैसे शोज में साड़ी या ढीले कपड़े पहनती हैं, तब भी लोग अनुमान लगाने लगते हैं। जिनपर भारती कहती हैं, तुम्हारे मुंह में घी-शक्कर।

दूसरा बच्चा प्लान कर रहीं भारती?

मजाक-मजाक में भारती सिंह ने ये भी मान लिया कि वो और उनके पति हर्ष लिंबाचिया वाकई इस बारे में सोच जरूर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब शो खत्म हो गया है, तो थोड़ा टाइम है खुद के लिए। घर में हमेशा प्रेशर कुकर की सीटी बजती रहती है, अब सोच रहे हैं थोड़ा सुकून से वक्त बिताएं - बच्चा, नैनी, हाउस हेल्प सब साथ में और हां, शायद उसी दौरान बच्चा भी प्लान हो जाए! यानी भारती ने इंटरव्यू में साफ कर दिया है कि वो जल्द ही दूसरा बच्चा प्लान जरूर कर रही हैं।

पाकिस्तानी डिजाइनर की अविनाश तिवारी ने बोलती की बंद



बॉलीवुड अभिनेता अविनाश तिवारी अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उनके हालिया कुछ प्रोजेक्ट्स में दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया है। हालांकि अब वो चर्चाओं में आ गए हैं अपनी किसी फिल्म की परफॉर्मेंस से ही नहीं, बल्कि एक सोशल मीडिया विवाद को लेकर, जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी डिजाइनर की क्लास लगाई है। दरअसल ये मामला एक इंस्टाग्राम पोस्ट का है, जिसमें पाकिस्तान के कॉस्ट्यूम डिजाइनर राव अली खान ने अभिनेता अविनाश तिवारी की शारीरिक बनावट पर टिप्पणी की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि अविनाश का पेट 'बंबई मेरी जान' और 'खाकी' जैसी वेब सीरीज में उभरा हुआ क्यों दिखाई दिया। बस यही बात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और अविनाश तक पहुंच गई।

अविनाश ने दिया करारा जवाब

इस बात पर अविनाश ने जो प्रतिक्रिया दी, उसे देखकर अब फैंस उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने डिजाइनर की बात का जवाब देते हुए लिखा कि अगर आप थोड़ी रिसर्च करते, तो समझ पाते कि ये लुक उनके किरदार की मांग थी। साथ ही उन्होंने सलाह दी कि सिर्फ दिखावे को नहीं, बल्कि सिनेमा की गहराई को समझने की कोशिश करें। अविनाश का ये जवाब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया। उन्होंने आलोचना का सामना न तो गुस्से से किया, न ही चुप्पी से, बल्कि एक कलाकार की तरह बड़े ही शालीन, समझदार ढंग से अपनी बात रखी।



एक्ट्रेस रुचि गुर्जर की बढ़ीं मुश्किलें, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में फिल्म निर्माता करण सिंह चौहान के खिलाफ 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने वाली अभिनेत्री रुचि गुर्जर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अम्बोली पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मुकदमा फिल्म सो लॉन्ग वैली के निर्माता मान लाल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 189(1), 189(2), 190, 191(1), 329(3), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रुचि गुर्जर पर आरोप है कि वह प्रीमियर शो के दौरान अपने प्राइवेट सुरक्षा गार्डों के साथ बिना अनुमति के सिनेमाघर में घुस गईं और जमकर हंगामा किया। एक्ट्रेस ने गाली-गलौज कर फिल्म के प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। यह घटना 25 जुलाई को अंधेरी वेस्ट स्थित सिनेपोलिस सिनेमा में हुई, जहां रात 9 बजे फिल्म का प्रीमियर शो आयोजित था। शिकायतकर्ता मान लाल सिंह ने पुलिस को बताया कि फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' का निर्माण 2023 से चल रहा था और 25 जुलाई को इसकी आधिकारिक रिलीज होनी थी, लेकिन प्रीमियर शो से ठीक पहले रात करीब 8:40 बजे रुचि, चार महिलाओं और कुछ बॉडी गार्ड्स के साथ सिनेमा हॉल पहुंचीं और बिना किसी निमंत्रण या अनुमति के अंदर घुस गईं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों के सामने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि वह फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगी।



दलजीत कौर ने फिर से शुरू की फिटनेस जर्नी

कहा- जीवन की उलझनों ने पीछे खींचा

अभिनेत्री दलजीत कौर ने अपनी फिटनेस जर्नी फिर से शुरू की और इसकी झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में उनकी जिंदगी में काफी उलझनें और भावनात्मक उतार-चढ़ाव आए, जिसकी वजह से वह फिट होने की कोशिशें जारी नहीं रख पाई थीं। दलजीत ने इंस्टाग्राम पर अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में अपनी पीठ और पैरों की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैं पिछले एक साल से कई बार फिट होने की कोशिश कर चुकी हूं, लेकिन जीवन की उलझनें, व्यस्त दिनचर्या और भावनाएं मुझे हमेशा पीछे खींचती रहीं। इस बार मैंने ठान लिया है कि अब कोई बहाना नहीं चलेगा और फिट होने पर पूरा ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि फिटनेस के लिए उन्होंने एक बेहतरीन ट्रेनर चुना है, जिसे वह अपनी आखिरी उम्मीद मानती हैं। उन्होंने कहा, मेरा ट्रेनर एक्सरसाइज के मामले में काफी सख्त है। वह अलग-अलग ट्रेनिंग के तरीके इस्तेमाल करता है ताकि सही नतीजे मिल सकें। हर इंसान की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए सही नतीजे पाने के लिए, हर किसी के हिसाब से सही डाइट और एक्सरसाइज बनानी पड़ती है। दलजीत ने कहा कि



अब सिर्फ बॉडी ठीक करने की बात नहीं है, बल्कि अंदर से खुद को भी सही करना है। दलजीत ने कहा, ये जर्नी अब शुरू हो चुकी है, और मैं हर कदम आप सब के साथ शेयर करूंगी, जैसा है वैसा ही, बिना किसी बनावट के, पूरी ईमानदारी के साथ। अब वक्त है अपनी जिंदगी को एक-एक एक्सरसाइज के साथ बेहतर बनाने का। दलजीत मार्च 2023 में निखिल पटेल से शादी करके केन्या चली गई थीं, लेकिन जनवरी 2024 में अपने बेटे जेडन के साथ भारत वापस लौट आईं। उनकी ये दूसरी शादी थी, जो टूट गई।

उर्वशी ने जेद्दा में दी दमदार परफॉर्मेंस



कहा- यह बहुत गर्व और सम्मान की बात

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने सऊदी अरब के जेद्दा में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस परफॉर्मेंस के लिए उर्वशी को 7 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि का भुगतान करना पड़ा। उर्वशी ने इस अनुभव के बारे में उत्साहित होकर कहा, मुझे बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि मैंने सऊदी अरब के जेद्दा में पहली बार बतौर भारतीय महिला कलाकार परफॉर्म किया है, यह पल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर उस भारतीय महिला का है जो सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखती है।

उन्होंने आगे कहा, इतने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना, जहां इतनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास है, मेरे लिए यह गर्व की बात है। यह सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक सेतु है, महिला सशक्तीकरण का संदेश है और कला के माध्यम से वैश्विक एकता को प्रदर्शित करता है।

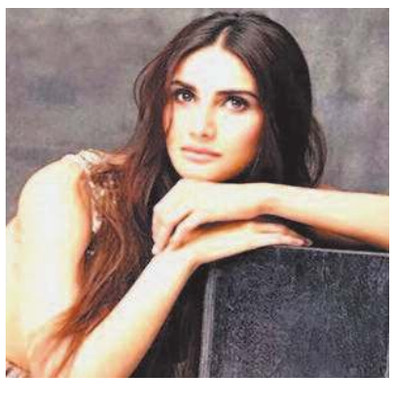


200 करोड़ी हुई Saiyaara

जल्द कमाएगी 300 करोड़ रुपये!

बॉलीवुड फिल्म सैयारा इन दिनों सिनेमाघरों के अलावा लोगों की बातों से लेकर सुर्खियों में बनी हुई है. ये फिल्म लोगों को खूब पसंद आ रही है और जिसकी वजह से मेकर्स की तिजोरियां भर रही हैं. अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म की रिलीज से पहले ये सोचा नहीं गया था कि ये इतना ज्यादा कमाल करेगी. फिल्म सैयारा ने ऐसा जादू चलाया कि साल 2025 में रिलीज हुई तमाम फिल्मों के कलेक्शन के रिकॉर्ड गायब हो गए. 200 करोड़ी हो चुकी ये फिल्म जल्द ही 300 करोड़ी होगी.

ट्रोलिंग पर सख्त कानून चाहती हैं वाणी



अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर चर्चाओं में बनी अभिनेत्री वाणी कपूर ने ट्रोलिंग और हेट स्पीच पर कानून बनाने की मांग की है। जानिए सोशल मीडिया को लेकर और क्या बोलीं एक्ट्रेस।

वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की।

जब सीरीज ऑफर हुई तो क्या लगा था कि ये रोल करियर के लिए अहम साबित हो सकता है?

सच कहु तो, मैं किसी प्रोजेक्ट को ये सोचकर साइन नहीं करती कि इसके बाद मुझे लाइन लग जाएंगी या बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आ जाएंगे। मेरे लिए उस कहानी और किरदार से एक इमोशनल जुड़ाव होना जरूरी होता है। ऐसी कहानियां मुझे आकर्षित करती हैं जिनमें किरदार की भावनाएं थोड़ी उलझी होती हैं। यह भी कुछ ऐसा ही था।

मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट से फैशन का मॉडल अवतार, पर्सनल लाइफ के भी रहे चर्चे

बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अदाकारी और बेबाक अंदाज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मुग्धा गोडसे हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। 'फैशन' और 'हीरोइन' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मुग्धा, मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रहने के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। 14 साल बड़े अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप हो या उनका बेबाक अंदाज, वह लाइमलाइट में छाई रहती हैं। बॉलीवुड की चमक-दमक और ग्लैमर की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे का 26 जुलाई को जन्मदिन है। अपने अभिनय, मॉडलिंग करियर और निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली मुग्धा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रह चुकीं मुग्धा की जिंदगी और करियर की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है। 26 जुलाई 1986 को पुणे में जन्मीं मुग्धा गोडसे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग की दुनिया से की थी। साल 2002 में उन्होंने मिस ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल का खिताब अपने नाम किया, जिसने उनके लिए ग्लैमर की दुनिया के दरवाजे खोल दिए।

